केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 146 गुरूवार 19 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विधानसभा में गूंजा हाउस अरेस्ट का मुद्दा

लखनऊ (आभा)। विधानसभा में नेता विपक्ष और समाजवादी पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडेय ने विपक्षी दलों के नेताओं को घर में नजरबंद कर लेने के मामलों को बुधवार को सदन में उठाया। इस पर योगी आदित्यनाथ सरकार की तरफ से संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पुलिस कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के कानून सम्मत कदम उठाती है। पांडेय ने विपक्षी नेताओं की नजरबंदी का मसला तब उठाया, जब कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना ने सदन में स्पीकर से शिकायत की कि प्रदर्शन में शामिल होने आ रहे कांग्रेस नेताओं को यूपी पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है और उन्हें बलपूर्वक रोका गया। माता प्रसाद पांडेय ने कहा– "लोकतांत्रिक व्यवस्था में हमें प्रदर्शन करने का अधिकार है। मीटिंग करने का अधिकार है। हम अपनी बात कहीं कह सकते हैं। हम बहुत दिनों से आंदोलन करते रहे हैं। पहली बार है कि मेरे घर पर सवेरे से पुलिस लग गई।

बुधवार तक हाउस अरेस्ट रहे कांग्रेसी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विधानसभा का घेराव करने के लिए कांग्रेसियों के कूच से पहले ही पुलिस ने नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया है। कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने 18 दिसम्बर को विधानसभा घेराव की घोषणा कर रखी थी। सोमवार रात से ही पुलिस ने उनके घरों पर पहरा देना शुरू कर दिया है। बुधवार सुबह तक पूर्व विधायक अंबिका सिंह और कांग्रेस जिलाध्यक्ष सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं को उनके घरों से निकलने नहीं दिया गया। कांग्रेस के विधानसभा के घेराव कार्यक्रम को असफल बनाने के लिए शासन ने प्रदेशव्यापी अभियान के तहत कांग्रेसियों को उनके घरों में ही नजरबंद करने का फरमान जारी किया। जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र पांडेय ने बताया कि उनको हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार रात 11 बजे पुलिस चौकी रौता का स्टॉफ उनके आवास पर पहुंचा और उन्हें बताया कि उन्हें हाउस अरेस्ट किया गया है। उन्हें घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं है, उन्हें बुधवार सुबह तक नजरबंद रखा गया। सिद्धार्थनगर जिले के जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद को भी हाउस अरेस्ट किया गया है। कांग्रेस नेता ने प्रशासन के इस कदम को योगी सरकार की दमनकारी नीति बताते हुए कहा कि सरकार का विरोध करने के लिए हर कांग्रेसी सक्षम हैं।

पोषण समिति की बैठक 20 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट कन्वर्जन्स कमेटी/जिला पोषण समिति की बैठक दिनॉक 20 दिसम्बर अपरान्ह 12.00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया जायेगा।
उक्त जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार ने दी है।

समीक्षा बैठक 24 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक 24 दिसम्बर को पूर्वान्ह 10.30 बजे से आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित किया जायेंगा। यह जानकारी संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार ने दी है।

आंबेडकर विवाद गरमायाः कांग्रेस ने किया गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त करने की मांग

नई दिल्ली (आभा)। संसद में भीमराव आंबेडकर पर की गई अमित शाह की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को जमकर निशाना साधा। खरगे ने पीएम मोदी से मांग किया कि वे गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त करें। उन्हें (अमित शाह) कैबिनेट में रहने का कोई अधिकार नहीं है। मालूम हो कि शाह ने मंगलवार को संसद में आंबेडकर का जिक्र किया था, जिसके बाद विपक्ष आगबबूला हो गया। कांग्रेस के तमाम नेताओं ने एक वीडियो अंश जारी किया, जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं, 'अभी एक फैशन हो गया है– आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'' संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि गृह मंत्री की बातों को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'अमित शाह ने एक बात कही जो बहुत ही निंदा करने लायक है। मुझे मजबूरन कहना पड़ रहा है कि ये लोग संविधान को नहीं मानते हैं। स्वर्ग और नर्क की बात करते हैं तो मनुस्मृति की बात करते हैं। उसमें ही लिखा है कि क्या स्वर्ग और क्या नर्क है। जिस विचारधारा को आंबेडकर नहीं मानते, स्वर्ग और नर्क की बात कही नहीं, वह बात अमित शाह ने कही। पीएम मोदी ने उन्हें डिफेंड करने के लिए छह ट्वीट्स किए। क्या जरूरत थी? अगर आप बाबा साहेब के बारे में कोई गलत बोलता है तो उन्हें कैबिनेट से निकाल देना चाहिए, लेकिन दोनों बहुत गहरे दोस्त हैं और एक–दूसरे के पाप को सपोर्ट करते हैं।''

कांग्रेस प्रमुख खरगे ने भीमराव आंबेडकर पर गृह मंत्री की टिप्पणी पर कहा कि अमित शाह को यह बताने के बजाय कि यह गलत है, प्रधानमंत्री मोदी उनका बचाव कर रहे हैं। ये लोग संविधान में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि अमित शाह को माफी मांगनी चाहिए और पीएम मोदी को थोड़ा बहुत भी आंबेडकर को लेकर श्रद्धा है तो अमित शाह को बर्खास्त कर देना चाहिए। जो व्यक्ति संविधान की शपथ लेकर संसद पहुंचता है, वह उस संविधान का अपमान करता है तो उसको कैबिनेट में रहने का कोई अधिकार नहीं है, उन्हें तुरंत बर्खास्त करना चाहिए। तभी इस देश के लोग शांत रहेंगे, नहीं तो हर जगह बाबा साहेब के नारे लगाएंगे और उनके लिए जान देने तक को तैयार हैं।'

इससे पहले खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि शाह की टिप्पणी का यह मतलब था कि बाबासाहेब का नाम लेना भी गुनाह है। उन्होंने कहा, 'अमित शाह जी ने सदन (राज्यसभा) में जब बाबासाहेब आंबेडकर जी का नाम लेकर बयान दिया, तब मैंने हाथ उठाकर बोलने की इजाजत मांगी थी। लेकिन मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया।

कांग्रेस के प्रदर्शन में पुलिस से धक्कामुक्की : एक की मौत

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान बड़ी घटना हुई है। प्रदर्शन में शामिल युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत हो गई है। कांग्रेस ने पुलिस की धक्कामुक्की और नोकझोंक को घटना का कारण बताया है। घटना की जानकारी मिलने पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी सिविल अस्पताल पहुंचे। इससे पहले पुलिस की धक्कामुक्की के कारण प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी बेहोश हो गए थे।

युवा कांग्रेसी की मौत पर कांग्रेस ने पुलिस के बल प्रयोग और नुकीले बैरिकेड्स को कारण बताया है। कांग्रेस ने कहा कि विधानसभा घेराव करने जा रहे कांग्रेसजनों को रोकने के लिए पुलिस द्वारा किये जा रहे धक्का–मुक्की व बल प्रयोग से गोरखपुर निवासी युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पाण्डेय की मौत हो गई है। इस घटना से पूरा कांग्रेस परिवार आहत और आक्रोशित है।

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने एक्स पर लिखा कि विधानसभा घेराव के लिए जाते समय पुलिसिया बर्बरता के कारण हमारे युवा साथी प्रभात पाण्डेय नहीं रहे। यह घटना बेहद दुःखद और निंदनीय है। इस दुर्घटना से हमारा कांग्रेस परिवार आहत और आक्रोशित है।

कांग्रेस ने जन सरोकार के मुद्दों पर योगी सरकार के विफल रहने का आरोप लगाते हुए लखनऊ में हजारों कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता बुधवार को विधानसभा को घेरने के इरादे से कार्यालय मुख्यालय पर एकत्र हुए थे। पुलिस के सख्त पहरे के चलते उनका अभियान पार्टी दफ्तर से चंद कदम दूर तक ही चल सका।

अवैध निर्माण ध्वस्त कर सील की कार्रवाई करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विकास प्राधिकरण द्वारा रौता चौराहा अमहट उर्फ बैरियहवा पुलिस चौकी के ठीक पीछे में मकान नम्बर 425 वार्ड नम्बर 8 में रमेश चन्द्र, महेश चन्द्र पुत्र स्वर्गीय भगवानलाल सहाय द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अवैध रूप से निर्माण कराया जा रहा है। इस सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) एवं सचिव विकास प्राधिकरण ने 7 दिन के भीतर जवाब मांगते हुये भवन को सील बंद किये जाने का निर्देश 14 नवम्बर 2024 को दिया था। इसके बावजूद न तो भवन सील किया गया न ही कोई कार्रवाई की गई।

इस सम्बन्ध में रौता चौराहा निवासी हनुमन्त लाल पुत्र स्वर्गीय हीरालाल ने अपर जिलाधिकारी (वि.रा.) एवं सचिव विकास प्राधिकरण को 29 नवम्बर को पत्र देकर आग्रह किया कि मनमाना अवैध निर्माण रोका जाय। एडीएम ने जांच कर जांच कर नियमानुसार कार्यवाही का निर्देश दिया इसके बावजूद यथा स्थिति बनी हुई है। हनुमन्त लाल ने मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई कर अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण कराते हुये सील किया जाय।

दुःखी परिवार को अरविन्द राजभर ने ढाढ़स बधाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी की माता के निधन के बाद पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अरविन्द राजभर सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड के भौखरी गांव पहुंचे और दुःखी परिवार को ढाढस बधाया। कहा कि हमारे पार्टी के नेता कार्यकर्ता ही हमारे सब कुछ है हम अपने नेताओं कार्यकर्ताओं के हर सुख दुख में पूरी निष्ठा ईमानदारी से उनके साथ खड़े रहेंगे।

इस मौके पर पूर्व विधायक रामानन्द बौद्ध, पूर्व विधायक राम ललित चौधरी, राष्ट्रीय सचिव शक्ति सिंह, प्रदेश अध्यक्ष प्रबुद्ध प्रकोष्ठ बृजभूषण मिश्रा, रमेश चंद्र वर्मा, जिला प्रमुख महासचिव सूरज गौतम, विजय चौहान, राकेश चौधरी, जिला अध्यक्ष मनोज राजभर, मंत्री प्रतिनिधि अमन राजभर, राजेश राजभर आदि उपस्थित रहे।

अमर शहीद मेले में जीवन्त हुआ कला संस्कृति, खेलकूद का विविध रूप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। नगर पंचायत नगर के राजकोट परिसर में अमर शहीद मेला आयोजित हुआ। कवि सम्मेलन में कवियों ने देश भक्ति के गीतों से सभी को सराबोर कर खूब तालियां बटोरी तो विद्यालयों के मेधावी पुरस्कार पाकर गदगद हो गए। 2 किलोमीटर दौड़ में 10 विजेता लड़के और 5 लडकियां पुरस्कृत हुईं। राजकीय आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक चिकित्सकों के मेडिकल कैम्प में मरीजों ने उपचार कराया और 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नागरिकों के शिविर में आयुष्मान कार्ड बनाए गए। मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रतिपाल सिंह चौहान ने द्वीप प्रज्वलित किया और अमर शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि कर समारोह का उद्घाटन किया।

उन्होंने नगर पंचायत की सराहना करते हुए यहां के विकास में योगदान का भरोसा दिलाया। उन्होंने राजा उदय प्रताप नारायण सिंह के त्याग और बलिदान की चर्चा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन होने से युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। श्री चौहान ने सरकारी योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित करने वाले शिविर को जनहितकारी बताया। विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी सदर शत्रुंजय पाठक ने राजकोट परिसर के विकास और जीर्णोधार के लिए संस्कृति और पर्यटन विभाग से प्रयास करने का सुझाव दिया। नगर पंचायत नगर की अध्यक्ष नीलम सिंह राना और

-निःशुल्क उपचार के साथ बना आयुष्मान कार्ड

अधिशासी अधिकारी सृष्टि सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी का आभार जताया। श्रीमती राजा ने कहा कि नगर के चतुर्दिक विकास का क्रम जारी रहेगा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने नगर को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने में सभी से सहयोग की अपील किया। दौड़ में जनता इंटर कॉलेज नगर के शुभम पाल ने प्रथम और उसी विद्यालय के शनि दूसरा स्थान प्राप्त करने में सफलता पाई। तीसरा स्थान नगर के अरुण को मिला। लड़कियों में करतुरवा आवासीय विद्यालय की राशि ने प्रथम स्थान, अमन पब्लिक स्कूल राजघाट की अनन्या ने दूसरा और खुटहन विद्यालय की पायल प्रजापति तीसरा स्थान प्राप्त किया। नगर पंचायत के 34 परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के कक्षा तीन से कक्षा 12 तक के 340 टॉपर विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किया गया। बाराबंकी से आए ओ पी वर्मा ओम ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि करने वाले आधा दर्जन वीर रस के गीत सुनाए तो डॉ अजीत राज, अजय श्रीवास्तव अश्क, अर्चना श्रीवास्तव, शुशील सिंह ने कविताओं की झड़ी लगा दिया। बाल कवि शिवांशु शेखर मिश्रा श्रोताओं के आकर्षण का केंद्र बन गए। संचालन करते हुए डा राम कृष्ण लाल जगमग ने अपने दुम दार दोहों से सभी को खूब हंसाया।

समारोह का समापन करते हुए सेना के पूर्व सूबेदार मेजर चंद्रशेखर शुक्ल ने कहा कि शहीद मेला आयोजित कर नगर पंचायत ने एक मिशाल प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन मयंक श्रीवास्तव तथा शिक्षक अमरेन्द्र सिंह ने किया।

इस अवसर पर सभी सभासद गण और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन मौजूद रहे।

17 केन्द्रों पर होगी पी.सी.एस. प्रारम्भिक परीक्षा डीएम ने किया तैयारियों की समीक्षा, दिये निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। आगामी 22 दिसम्बर (रविवार) को लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पी.सी.एस. (प्रारम्भिक) परीक्षा 2024 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में उक्त निर्देश देते हुए उन्होने जनपद के संबंधित अधिकारियों एवं केन्द्र व्यवस्थापक से कहा कि लोक सेवा आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

उन्होने बताया कि जनपद में कुल 17 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है तथा 17–17 सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गये है। उन्होने सभी सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेटो को अपने–अपने परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया

हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती किया जाय। उन्होने बताया कि परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगा, जो प्रथम पाली 9.30 से 11.30 बजे तक तथा दूसरी पाली 2.30 से 4.30 तक आयोजित होगी। उन्होने सभी अभ्यर्थियों से अपील किया है कि परीक्षा शुरू होने से 45 मिनट पूर्व ही अपने–अपने केन्द्र पर पहुँचकर प्रवेश कर लें। उन्होने यह भी कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर ससमय सीसी टीवी कैमरा स्थापित करा लिया जाय।

अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल (महिला व पुरूष) तैनात रहेंगी, जो परीक्षा केन्द्रों पर आये हुए अभ्यर्थियों का चेकिंग करेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, उप जिलाधिकारी शत्रुंजय पाठक, विनोद कुमार, आशुतोष तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सीआईसी की बैठक में गूंजा गन्ना किसानों का मुद्दाः सदस्यों ने किया बहिष्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय में केन इम्पलीमेंशन कमेटी 'सीआईसी' की बैठक में गन्ना किसानों का मुद्दा प्रभावी ढंग से उठा। सन्तोषजनक उत्तर न मिलने पर समितियों के चेयरमैन और संचालक सदस्यों गन्ना किसानों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। यह जानकारी देते हुये सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड विक्रमजोत के अध्यक्ष इ. सिद्धान्त कुमार सिंह ने बताया कि सीआईसी की बैठक प्रति माह दो बार आयोजित की जाती है जिससे गन्ना किसानों की समस्याओं का प्रभावी निस्तारण हो सके। बुधवार को बैठक चल रही थी कि मुण्डेरवा के चेयरमैन सुरेन्द्र राय ने अर्ली रिजेक्ट, सामान्य गन्ना पर्चियों का मुद्दा उठाते हुये कहा कि मनमाने ढंग से बिना किसी सक्षम आदेश के चीनी मिल द्वारा पर्चियों को डी ग्रेड करके तौल कराया जाता है जिससे गन्ना किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। जिस गन्ने को चीनी मिल ने पूर्व में अर्ली गन्ना कह कर किसानों से बुवाई करवाया बिक्री के समय उसी गन्ने को सामान्य और रिजेक्ट कहकर तौल कराया जा रहा है।

बैठक में इ. सिद्धांत कुमार सिंह, सुरेन्द्र राय, विनोद कुमार राय, दीवान चन्द पटेल, हरिशंकर पाण्डेय, सुनील, विनोद सिंह, प्रदीप सिंह, सतीश चन्द्र सिंह ने गन्ने की खरीदारी, ढुलाई, गन्ना किसानों से अवैध रूप से उतरवाई के लिये जाने धन लिये जाने, मसौधा चीनी मिल द्वारा गन्ना क्रय केन्द्र स्थापित न किये जाने के साथ ही अनेक मुद्दे उठाये। इस पर जिला गन्ना अधिकारी सुनील कुमार सवालों को बिफर पड़े, कहा कि किसी गन्ना क्रय केन्द्र पर किसानों से गन्ने की उतरवाई नहीं लिया जा रहा है। जब मामले के जांच की मांग किया गया तो वे भड़क गये और कहा कि ऐजेन्डे में इन लोगों को क्यों बुलाया गया। भविष्य में इन्हें बैठक में न बुलाया जाय। इस बार बात बढ़ती चली गई और समितियों के चेयरमैन, संचालक और प्रगतिशील किसानों ने बैठक का यह कहकर बहिष्कार कर दिया कि जिला गन्ना अधिकारी चीनी मिल मालिकों की भाषा बोल रहे हैं। सदस्यों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि जिला गन्ना अधिकारी अपने मन माफिक बैठक कराना चाहते हैं।

केन इम्पलीमेंशन कमेटी 'सीआईसी' की बैठक का बहिष्कार करने वालों में मुख्य रूप से विनोद कुमार मिश्र, डा. आर.पी. चौधरी, स्वामीनाथ, गौरीशंकर, चन्द्र प्रकाश चौधरी आदि शामिल रहे। इस सम्बन्ध में जिला गन्ना अधिकारी का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापनः धोखाधड़ी की शिकार महिलाओं को न्याय दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। समूह बनाकर चमरौहा सियरापार ग्रामसभा की अनेक महिलाओं के साथ धोखाधड़ी कर लगभग 89 लाख रूपये निकाल लिये जाने का मामला गरमाता जा रहा है। बुधवार को सरदार सेना बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष आकाश पटेल, सर्वेश चौधरी सियरापार के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पीड़ित महिलाओं के साथ बुधवार को शास्त्री चौक पर धरना दिया। धरने के बाद जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया।

धरने को सम्बोधित करते हुये सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी वृजेश पटेल ने कहा कि गांव की भोली भाली महिलाओं को उद्यमी बनाने का सपना दिखाकर लगभग 89 लाख रूपये अलग–अलग बैंकों से निकलवा लिये गये। इस सम्बन्ध में सरदार सेना ने ठगी की शिकार महिलाओं को न्याय दिलाने के लिये अनेकों बार ज्ञापन सौंपने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई

-दोषियों को गिरफ्तार कर बैंकों का बकाया जमा कराये प्रशासन-चौधरी वृजेश पटेल

की मांग किया किन्तु स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। कहा कि मीना पत्नी परशुराम गनेशपुर टोला धनुआ थाना वाल्टरगंज, अनिल पुत्र फूलचन्द ग्राम चमरौहा सियरापार टोला पण्डितपुर थाना कोतवाली और रवि प्रकाश आदि ने गांव की भोली भाली महिलाओं को लालच देकर बैंको से धन निकलवा लिया। उन लोगों ने कहा था कि समूह का लोन उनके द्वारा भरा जायेगा किन्तु वे मुकर गये। अब महिलाओं के घरों पर बैंक की नोटिस आ रही है। कहा कि प्रशासन दोषियों को गिरफ्तार कर धन की वसूली कराये।

धरने को सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, चंद्रगुप्त मौर्य, ज्योति आदि ने सम्बोधित किया।

तीन सूत्रीय ज्ञापन में आरोपियों के सम्पत्तियों को बेचकर बैंको को धन चुकाये जाने, 1 एक सप्ताह के भीतर गिरफ्तारी करने की मांग किया गया है।

धरना देने वालों में आकाश सम्राट, राजा भैया, अभिषेक चौधरी,संदीप निषाद, सुधाकर पटेल, रवि चौधरी प्रधान, अभय पटेल, पुष्कर पटेल, रामसुंदर निषाद, अमरावती, संगीता, अमरजीत चौधरी, रवि निषाद,प्रदीप यादव, मंजीत यादव, किसान पुत्र सुनील पटेल, अखिलेश प्रजापति, अनिरुद्ध चौधरी, कमरे आलम, पूजा, चांदनी, सुमन, गौरव पटेल, पिंकू चौधरी, धर्मेंद्र निषाद, शिव चौधरी, उमेश चौधरी, रामविलास, राजेश यादव, जीत नारायण, किरण, सुनीता, कुसुम, मीरा, बब्लू यादव, रामचरण निषाद, जितेंद्र साहनी, हिमांशु चौधरी, शीला, रीता देवी, अनीता, रागिनी देवी, हरिश्चंद्र चौहान, जगराम चौधरी पूर्व प्रधान, मालती, अंगद गुप्ता, शहजाद आलम, अभिषेक मौर्य आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 दिसम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

नये मोड़ पर भारत-श्रीलंका सम्बन्ध

श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुनकर जो संदेश देना चाहा, वह नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ हुई उनकी बातचीत के दौरान स्पष्ट रूप में रेखांकित हुआ। सबसे बड़ी और ध्यान खींचने वाली बात यह रही कि श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने साफ शब्दों में नई दिल्ली को आश्वस्त किया कि वह श्रीलंका की जमीन का इस्तेमाल भारत के हितों के खिलाफ नहीं होने देंगे। यह आश्वासन इस मायने में अहम है कि श्रीलंका के हंबनटोटा पोर्ट में बैलिस्टिक मिसाइलों को ट्रैक और सपोर्ट करने वाले चीनी जहाजों का खड़ा होना भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। फिलहाल जरूर श्रीलंका ने इन जहाजों के आने पर रोक लगा रखी है, लेकिन इस रोक की समयसीमा अगले साल की शुरुआत में ही समाप्त होने वाली है। देखना होगा कि दिसानायके सरकार भारत से किए अपने इस वादे को आगे किस तरह से पूरा करती है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का भारत दौरा, जो परंपरा का निर्वहन करते हुए उनकी पहली विदेश यात्रा भी है, भारत–श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों में निरंतरता को दिखाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में शामिल विभिन्न पहलू, साल 2023 में उनके पूर्ववर्ती रानिल विक्रमसिंघे के दौरे के बाद जारी संयुक्त बयान के जैसे ही थे। दिसानायके ने भरोसा दिलाया है कि श्रीलंका अपनी सरजमीन का इस्तेमाल ऐसे किसी रूप में नहीं होने देगा जो भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक हो। यूं तो यह कोलंबो के लंबे समय से चले आ रहे नजरिए का दोहराव लगता है। लेकिन यह इस धारणा के लिहाज से महत्वपूर्ण था कि दिसानायके की जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) एक वाम झुकाव वाली चीन–समर्थक पार्टी है। भारत ने उनके कथन को एक ऐसे कथन के रूप में देखा जिसका असर श्रीलंका जाने वाले चीनी जहाजों के लिए अनुमति पर पड़ सकता है। गौरतलब है कि विक्रमसिंघे सरकार ने भारत की चिंताओं के बाद सभी "विदेशी अनुसंधान पोतों" पर एक साल की रोक लगायी थी जो अगले महीने खत्म हो रही है। पिछले लगभग 10 सालों में, चीनी जहाजों की बार–बार मौजूदगी द्विपक्षीय रिश्तों में मुख्य परेशानी बन गयी। यह देखना बाकी है कि श्रीलंकाई हुकूमत भारत की चिंताओं के प्रति कहां तक संवेदनशील रहेगी – विक्रमसिंघे सरकार ने लगभग छह महीने पहले यह रुख अपनाया था कि वह "सिर्फ चीन को नहीं रोक सकती"।

जैसी कि उम्मीद थी, दोनों नेताओं के बयानों या संयुक्त बयान में अडानी समूह की परियोजनाओं की स्थिति का जिक्र नहीं हुआ। संयुक्त बयान में कृषि और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में श्रीलंका की मदद करने की भारत की प्रतिबद्धता की बात की गयी। कृषि पर एक संयुक्त कार्य समूह का प्रस्ताव स्वागतयोग्य घटनाक्रम है। प्रस्तावित आर्थिक और तकनीकी सहयोग समझौते का भी जिक्र था, जिस पर अब तक 14 दौर की बातचीत हो चुकी है। मत्स्य–क्षेत्र विवाद पर, दोनों पक्ष अपने घोषित नजरियों पर अटके लगते हैं, लेकिन कोलंबो को दोनों देशों के मछुआरा संघों के बीच जल्द बैठक की राह बनाने में मदद करनी चाहिए। और भी महत्वपूर्ण बात यह है कि संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में मोदी के बयान के अंग्रेजी संस्करण को देखने से एक महीन बदलाव नजर आता है। मोदी ने सुलह–सफाई, श्रीलंका द्वारा अपने संविधान को "पूरी तरह लागू करने" की प्रतिबद्धता निभाने और प्रांतीय परिषदों के चुनाव कराने की जरूरत जैसे मामलों का उल्लेख किया, लेकिन बयान में श्रीलंकाई संविधान में 13वें संशोधन का कोई जिक्र नहीं है जो प्रांतीय परिषदों के लिए स्वायत्तता की परिकल्पना करता है। साल 1987 के भारत–श्रीलंका समझौते के परिणामस्वरूप सामने आये इस संशोधन के खिलाफ जेवीपी ने एक विषाक्त अभियान चलाया था। चूंकि दिसानायके की अगुवाई वाले गठबंधन ने 14 नवंबर को हुए संसदीय चुनाव में देश भर में भारी जनादेश हासिल किया, वह बड़े आराम से भारत के संबंधों को नयी दिशा देने की स्थिति में हैं। यह दोनों देशों के लिए अपने मतभेदों को हल करने का मौका है।

योगी की आक्रामकता और विपक्ष

–राजेश कुमार पासी–

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि एक फायरब्रांड नेता की है । उन्होंने अपनी छवि के अनुरूप ही यूपी विधानसभा में 16 दिसम्बर को बेहद तल्ख लहजे में विपक्ष पर हमला किया। उनके जबरदस्त भाषण के दौरान पूरे सदन में चुप्पी छाई रही। उनके भाषण के बाद भी विपक्ष को समझ नहीं आ रहा है कि वो उनके तर्कों और तथ्यों का क्या जवाब दे। योगी जी की यही विशेषता है कि वो अपनी बात पूरे तर्क और तथ्य के साथ रखते हैं। उनकी कठोर से कठोर कार्यवाही कानून के अनुसार होती है। पूरा देश उन्हें बुलडोजर बाबा के नाम से जानता है लेकिन सुप्रीम कोर्ट भी उनके बुलडोजर को रोक नहीं पाया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस आने के बाद भी उनका बुलडोजर गरज रहा है क्योंकि उनकी सरकार अपनी सारी कार्यवाहियों को कानून के दायरे में रह कर करती है। भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं को उनमें भावी प्रधानमंत्री दिखाई देता है। देखा जाए तो वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में वो अकेले ऐसे नेता हैं जिन्हें मोदी का उत्तराधिकारी कहा जा सकता है। इसकी वजह यह है कि भाजपा एक कैडर बेस्ड पार्टी है इसलिये कैडर की भावनाओं के खिलाफ पार्टी नहीं जा सकती।

इसके अलावा देश की जनभावनाओं को देखते हुए भी कहा जा सकता है कि वो मोदी के बाद देश के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। जैसे मोदी जी एक राज्य के मुख्यमंत्री होने के बावजूद पूरे देश में लोकप्रिय हो चुके थे, ऐसे ही योगी जी की लोकप्रियता पूरे देश में फैल चुकी है। भाजपा में चुनाव प्रचार के लिए मोदी जी के बाद सबसे ज्यादा मांग योगी जी की होती है। अगर आज मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं तो इसकी सबसे बड़ी वजह भाजपा कार्यकर्ताओं में उनकी लोकप्रियता थी । भाजपा संगठन में अपने कैडर की इच्छा के विपरीत जाने की हिम्मत नहीं हुई ।

मुझे लगता है कि भारतीय राजनीति में इतना दबंग मुख्यमंत्री कभी नहीं आया है । जिस साफगोई से योगी अपनी बात कह रहे हैं, वो राजनीति में एक विलक्षण चीज है । वो बिना किसी लाग–लपेट के पूरी स्पष्टवादिता के साथ अपनी बात रख रहे हैं । संभल हिंसा में 5 दंगाईयों के मारे जाने पर विपक्ष उन्हें घेरना चाहता है लेकिन वो रक्षात्मक होने की जगह आक्रामक तरीके से मुकाबला कर रहे हैं । उन्होंने संभल दंगों का पूरा इतिहास सदन में रख दिया और कहा कि संभल दंगों में 209 हिन्दुओं की हत्या हो चुकी है लेकिन विपक्ष उस पर बोलने को तैयार नहीं हैं । उन्होंने संभल हिंसा के दंगाइयों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का संदेश सदन में दे दिया । उन्होंने कहा कि बिना साक्ष्य किसी को पकड़ा नहीं जा रहा है और अपराधियों को वो छोड़ने वाले नहीं हैं । उन्होंने 46 साल पुराने मंदिर के मिलने पर कहा कि आपने मंदिर नहीं तोड़ा, आपका अहसान है लेकिन वहां 22 कुंओं को किसने पाट दिया और कुंओं में हिन्दू देवी–देवताओं की मूर्तियां क्यों मिल रही हैं । योगी ने अल्लामा इकबाल का 'तराना–ऐ–मिल्ली' पढ़ कर सुनाया और उन्हें जेहादी करार दिया । जो लोग इकबाल को गंगा–जमुनी तहजीब का रहनुमा घोषित करते हैं, उन पर बड़ा प्रहार किया है ।

एक समाजवादी नेता ने कहा कि दंगा इसलिए हुआ क्योंकि हिंदुओं ने जय श्री राम का नारा लगाया था। इस पर योगी ने कहा कि इससे आपको दिक्कत नहीं होनी चाहिए । उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूं कि मुझे अल्लाह–हु–अकबर से दिक्कत है तो क्या आप बोलना बंद कर देंगे । उन्होंने कहा कि जब मंदिर और हिन्दू मोहल्ले से मुस्लिम जुलूस और यात्रा निकल सकती है तो मस्जिद और मुस्लिम मोहल्ले से हिन्दू यात्रा क्यों नहीं निकल सकती । उन्होंने कहा कि अगर ऐसी यात्राओं पर दंगा होता है तो सरकार उससे सख्ती से निपटेगी । उन्होंने कहा कि मुस्लिम जलूस और त्यौहारों पर समस्या नहीं खड़ी होगी लेकिन हिन्दू जलूस और त्यौहार पर अगर कोई समस्या खड़ी करेगा तो सरकार उससे सख्ती से निपटेगी । धर्मनिरपेक्षता पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि धर्मनिरपेक्षता पर बात करना व्यर्थ हैं क्योंकि मूल संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द नहीं है ।

योगी अब राजनीति का एजेंडा तय कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद उन्होंने ही 'बटोगे तो कटोगे' का नारा दिया जिसे बाद में पूरी भाजपा ने अपना लिया। उनका यह नारा अब धीरे–धीरे पूरे देश में फैल गया है। अब ये सिर्फ भाजपा का नारा नहीं रह गया है, ये पूरे हिन्दू समाज की आवाज बन गया है। मुझे लगता है कि ये नारा बहुत दूर तक जाने वाला है । उन्होंने बांग्लादेश, संभल, ज्ञानवापी और अयोध्या के दंगाइयों की बात करते हुए कहा कि सबका डीएनए एक है । योगी ने दिखा दिया है कि हिन्दू और हिंदुत्व की बात करते हुए उन्हें किसी किस्म का डर नहीं है और न ही किसी किस्म की शर्म है । मामला अदालत में चल रहा है, इसके बावजूद वो ये कहने से नहीं हिचके कि जुमे की नमाज से पहले जो मस्जिद में तकरीर की गई, उसके कारण दंगा हुआ । यही योगी की पहचान है. जब उन्होंने राजनीति शुरू की थी, तब ही बोल दिया था कि मैं हिन्दू हूं और ईद नहीं मनाता । इसके बावजूद उनके प्रशासन की विशेषता यह है कि उन्होंने कभी धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया है । उनके शासन में यूपी सरकार की किसी भी योजना में मुस्लिमों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है । लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कहा था कि यूपी में मुस्लिमों की जनसंख्या बीस प्रतिशत है और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ चालीस प्रतिशत के करीब मिल रहा है ।

योगी जब बोलते हैं तो वो राजनीतिक लाभ–हानि को देखकर नहीं बोलते क्योंकि सत्ता का मोह उनको नहीं है । योगी कहते हैं कि औरंगजेब और बाबर भारत की पहचान नहीं हैं, भारत की पहचान राम–कृष्ण और गौतम बुद्ध हैं । भारत बाबर और औरंगजेब को अपना आदर्श नहीं मान सकता, भारत तो राम–कृष्ण और गौतम बुद्ध के रास्ते पर ही चलेगा । मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूढंने की बात पर वो कहते हैं कि मंदिरों को तोड़कर उनकी जमीन पर मंदिरो के मलबे से मस्जिदों का निर्माण क्यों हुआ, इसका जवाब मुस्लिम समुदाय और सेक्युलरों को देना चाहिए । उनके कहने का मतलब यही है कि यह करतूत इसलिए की गई है ताकि हिन्दुओं को अपमानित किया जा सके ।

योगी की एक विशेषता यह है कि वो अपनी बात बेहद स्पष्ट तरीके से सरल भाषा में कहते हैं ताकि उनकी बात जनता तक पहुंच सके । वो जानते हैं कि जनता जटिलताओं को नहीं समझती । वो भाजपा के नेताओं को समझा रहे हैं कि जटिल भाषा और छुपा कर बोलने से कुछ नहीं होने वाला, खुलकर बोलना होगा तभी आम जनता तक बात पहुंचेगी । योगी कानून के अनुसार काम करते हैं । उन्होंने कानूनी तरीके से सिर्फ अवैध संपत्तियों को ही गिराया है । यही कारण है कि जिन लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाया गया है उनकी हिम्मत अदालत जाने की नहीं हुई । विपक्ष को समझ नहीं आ रहा है कि वो योगी के हमलों पर क्या प्रतिक्रिया दे और कैसे दे । उनके तर्कों और तथ्यों की काट विपक्ष के पास नहीं है इसलिये इधर–उधर की बात करके उन पर हमला किया जाता है । योगी राजनीति में एक बड़ी लकीर खींच रहे हैं, जिसके सामने दूसरे नेताओं की लकीर बहुत छोटी नजर आ रही है ।

उनके भाषण के दौरान पूरा विपक्ष बिल्कुल चुप था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वो इसका क्या जवाब दे । इसके अलावा अगर किसी नेता ने कोई सवाल उठाया भी तो उन्होंने उसका करारा जवाब दिया । उन्होंने मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति पर करारा प्रहार किया है और स्पष्ट कर दिया है कि वो हिंदुत्व की राजनीति करेंगे, चाहे कोई कुछ भी बोलता रहे । विपक्ष के लिए समस्या यह है कि वो मोदी जी के जाने का इंतजार कर रहा है लेकिन उसे अब डर लग रहा है कि मोदी के जाने के बाद अगर योगी सत्ता में आ गए तो उसकी मुश्किल बहुत बढ़ने वाली है । मोदी विपक्ष के हमले को सहन कर लेते हैं लेकिन योगी हर हमले का जवाब देते हैं । शायद यही कारण है कि भाजपा समर्थक योगी के आने का इंतजार कर रहे हैं । वास्तव में योगी हिन्दू मन की बात कह रहे हैं। वो हिंदुओं की आवाज बन चुके हैं जिसे अभी तक धर्मनिरपेक्षता के नाम पर दबाया गया है। योगी में हर हिन्दू खुद को देख रहा है, ये आने वाले समय में विपक्ष की बड़ी समस्या बनेगी।

बीच बहस में पं. नेहरू

–कमलेश पाण्डेय–

साहित्य मिजाजी राजनीतिज्ञ और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तिगत पत्रों को सार्वजनिक किए जाने यानी प्रधानमंत्री संग्रहालय को पुनः सुपुर्द करने को लेकर जो तल्ख सियासी बयानबाजी शुरू हुई है, उसके आधिकारिक लापरवाही वाले पहलुओं पर भी विचार किया जाना जरूरी है। क्योंकि लगभग 15 वर्ष बाद इस रहस्य से पर्दा उठा है। वहीं, इससे जवाहरलाल के प्रासंगिक सियासी कद का भी पता चलता है। अब बीजेपी जिस तरह से नेहरू के लेटर्स को पीएम म्यूजियम को वापस करने के लिए विदेशी मूल की उनकी मनाती बहू, राज्यसभा सांसद व कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर दबाव बढ़ा रही है और केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी बोल रही है कि ये पत्र देश की संपत्ति हैं, के राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं। जबकि इसमें प्रशासनिक लापरवाही का पहलू भी समीचीन होना चाहिए। क्योंकि इससे हमेशा नामचीन व जिम्मेदार लोग ही जुड़े रहते हैं।

आपको याद होगा कि आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोग स्वतंत्रता सेनानी नेहरू और उनके वंशजों के राजनीतिक फैसलों और व्यक्तिगत जीवन पर तथ्यात्मक और मनगढ़ंत हमले करके कांग्रेस का बुरा हाल कर चुके हैं और यदि अपेक्षित पत्र भी उसके हाथ लग गए तो उनको सियासी हमले का पुख्ता आधार मिल जाएगा। यही वजह है कि गांधी परिवार ने भावनात्मक भूलों और तत्कालीन मजबूरियों से जुड़े सुबूतों पर कुंडली मारकर बैठने का फैसला किया है, क्योंकि लगभग 6 दशक तक उसने यहां तिकड़मी तौर पर शासन किया है।

हालांकि, उनकी जगह आए समाजवादियों व राष्ट्रवादियों ने भी कुछ वही किया और आज भी कमोबेश कर ही रहे हैं। इससे बहुतेरे कांग्रेसी पाप अब धूल चुके हैं। बता दें कि बीजेपी ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गाधी से कहा कि उन्हें देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की ओर से कई बड़ी हस्तियों को लिखी गई चिट्ठी को प्राइम मिनिस्टर म्यूजियम ऐंड लाइब्रेरी (च्डडस्) को लौटा देना चाहिए। क्योंकि ये ऐतिहासिक दस्तावेज देश की संपत्ति होते हैं न कि किसी की निजी संपत्ति। इस मामले को लेकर संसद में हंगामा भी हुआ। बीजेपी की ओर से सांसद संबित पात्रा ने सोमवार को लोकसभा में यह मुद्दा उठाया।

पात्रा का दावा था कि नेहरू ने ये लेटर्स गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन की पत्नी एडविना माउंटबेटन, बाबू जगजीवन राम, जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली, गोविद वल्लभ पंत जैसे नेताओं और साइंटिस्ट अल्बर्ट आइंस्टाइन को लिखा था। बताया जाता है कि पीएमएमएल से जुड़े सदस्य रिजवान कादरी ने राहुल गांधी को लेटर लिखकर कांग्रेस के पास मौजूद जवाहरलाल नेहरू के अहम खतों को संग्रहलाय को सौंपे जाने की अपील की थी। यह लेटर 10 दिसंबर को लिखा गया था, जिसमें दस्तावेज लाने में राहुल गांधी से भी मदद मांगी गई। बताया जाता है कि कांग्रेस की तरफ से अब तक कोई जवाब या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस पर बीजेपी ने सवाल उठाए कि आखिर इन खतों में ऐसा क्या था जिसे छुपाया जा रहा है। सवाल है कि पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू के वे कौन कौन से खत थे और ये किसे लिखे गए थे जिन्हें वापस मांगा जा रहा है और कौन मांग रहा है? यही नहीं, सवाल है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, बाहर कैसे गए और इसके लिए कौन से अधिकारी जिम्मेदार हैं, उन पर कार्रवाई की जाए।

बताया जाता है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के ढेरों खत जो कभी नेहरू मेमोरियल में सुरक्षित तौर पर रखे हुए थे, जो अब वहां नहीं हैं। सवाल है कि न तो ये चोरी हुए हैं और न ही रखे–रखे नष्ट हो गए हैं, बल्कि इन्हें साल 2008 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपनी सरकार के रहते मंगवा लिया था। हैरत की बात है कि इन्हें मंगवाने के डेढ़ दशक बाद भी लौटाया नहीं गया। जबकि केंद्र में लगभग 11 वर्षों से भाजपा की सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री संग्रालय का स्वरूप भी बदल दिया है। इसके लिए जिम्मेदार व लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

खबर है कि पहले भी सितंबर 2024 में लेटर लिखकर मांगा गया था और अब एक बार फिर इन्हें देश की धरोहर बताते हुए वापस मांगा जा रहा है। राहुल को लिखे लेटर में यहां तक कहा गया है कि यदि वे ऑरिजिनल नहीं दे सकते तो डिजिटल या फोटोकॉपी ही भिजवा दें। लेकिन उधर से कोई जवाब नहीं आया है। इसके बाद संसद में भी यह मुद्दा उछाल दिया गया। दरअसल जवाहर लाल नेहरू के ये पत्र केवल एडविना माउंटबेटन से ही जुड़े हुए नहीं हैं बल्कि अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम आदि के बीच के संवाद भी इसमें शामिल हैं। इनमें लेडी माउंटबेटन (एडविना माउंटबेटन) को लिखे हुए खत भी हैं।

खाने और खून में घुलता जहर

-डा. अमृत सागर मित्तल-

पंजाब की जिस हरियाली व खुशहाली का जो रूप हमने देखा है, वह अब एक डरावनी हकीकत की ओर तेजी से बढ़ रहा है। बठिंडा, मानसा और लुधियाना के खेतों की मिट्टी के 60 फीसदी नमूनों में एंडोसल्फान और कार्बोफ्यूरान जैसे जहरीले कैमिकल कीटनाशकों के अवशेष पाए गए हैं। यह खतरा एक ऐसे टाइम बम जैसी चेतावनी है, जो न केवल हमारी फसलों में जहर घोल रहा है, बल्कि आने वाली नस्लों पर संकट का संकेत है। हर साल 5 दिसंबर को मनाए जाने वाले 'वर्ल्ड सॉयल डे' के मौके पर जहां दुनिया के तमाम देश धरती में घुलते इस जहर पर कड़ी नजर रखने के उपायों बारे चर्चा करते हैं, वहीं भारत को भी इस जहर के कहर से बचने के कारगर कदम उठाने होंगे।

खेतों से थाली तक जहर का कहर रू 85 फीसदी से अधिक रकबे में धान व गेहूं की खेती पर निर्भर पंजाब में कैमिकल कीटनाशकों की बढ़ती खपत चिंताजनक है। राष्ट्रीय स्तर पर जहां कीटनाशकों की खपत प्रति हैक्टेयर 62 किलो है, वहीं 77 किलो प्रति हैक्टेयर कीटनाशकों की खपत करने वाला पंजाब जैसा छोटा प्रदेश यू.पी. व महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों के बाद देश में तीसरे नंबर पर है। इस पागलपल के परिणाम विनाशकारी हैं। हमारी उपजाऊ जमीन बंजर हो रही है। मिट्टी में प्राकृतिक उर्वरता बनाए रखने वाले सूक्ष्मजीव कैमिकल कीटनाशकों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण 30 से 50 फीसदी तक खत्म हो चुके हैं। इसका सीधा असर मिट्टी की गुणवत्ता व फसलों की पोषण क्षमता पर पड़ा है। सैंटर सॉयल सैलेनिटी रिसर्च इंस्टीच्यूट (सी.एस.एस.आर.आई.) के मुताबिक एग्रो–कैमिकल्स के अधिक इस्तेमाल के कारण भारत में 67 लाख हैक्टेयर जमीन लवणता से प्रभावित हो चुकी है। मिट्टी में घुले कैमिकल हमारे खाए हर निवाले से हमारे डी.एन.ए. में जहर घोल रहे हैं, जिसका असर आने वाली पीढियों में भी दिखेगा। इसके लिए अभी से जागरूक होकर इस संकट का कारगर समाधान ढूंढना होगा।

कानूनी खामियां – कीटनाशकों के उत्पादन व इस्तेमाल पर नियंत्रण रखने के लिए साल 1968 का इंसेक्टिसाइड एक्ट व 1971 के इंसैक्टिसाइड रूल्स आज के दिन कारगर नहीं हैं। कीटनाशकों के दुष्परिणामों को कम करने के लिए पैस्टीसाइड मैनेजमैंट बिल 2020 जैसे संशोधन की कोशिशें हुईं, लेकिन इसमें कई बड़ी खामियां हैं। यह बिल हमें जहरीले कीटनाशकों से बचाने की बजाय केवल इनके निर्माताओं के रजिस्ट्रेशन व लाइसैंसिंग प्रक्रियाओं पर केंद्रित होकर रह गया। 1968 का इंसैक्टिसाइड एक्ट व 1971 के इंसैक्टिसाइड रूल्स आज के दिन कृषि पर गहराते इस संकट को संभालने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं। पैस्टीसाइड एक्शन नैटवर्क के मुताबिक, हर साल दुनियाभर में कीटनाशकों के जहर के कारण औसत 11,000 मौतें होती हैं, जिनमें से 6,600 मौतें भारत में हो रही हैं। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि हमारे देश में कीटनाशकों के इस्तेमाल व सुरक्षा उपायों में कानूनी स्तर पर भारी खामियां हैं।

ट्रेनिंग व जागरूकता की कमी रू फसलों में कीटनाशकों की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन इनके जहरीले प्रभावों के कारण इनके उत्पादन, खपत और निपटान पर कड़ी निगरानी की जरूरत है। बीते 3 दशकों में कैमिकल कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल बढ़ा है, जिसका बड़ा कारण कीटनाशक निर्माता कंपनियों की आक्रामक मार्केटिंग रणनीतियां हैं। ऐसे में कीटनाशकों के रिटेल विक्रेताओं की भूमिका पर भी सवाल खड़े होते हैं कि वे किसानों को अधूरी या भ्रमित करने वाली जानकारी देते हैं। फसल की जरूरत मुताबिक कीटनाशकों के सही इस्तेमाल के लिए किसानों को कारगर ट्रेनिंग नहीं मिल रही। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के 'प्लांट प्रोटैक्शन डिपार्टमैंट' ने 1994 से 2022 तक देश के करीब 15 करोड़ किसानों में से केवल 5.85 लाख किसानों को इंटीग्रेटिड पैस्ट मैनेजमैंट की ट्रेनिंग दी। पैस्टीसाइड मैनेजमैंट पर इंटरनैशनल कोड ऑफ कंडक्ट की हिदायतों मुताबिक, सरकारें व निर्माता कंपनियां किसानों को सही ट्रेनिंग और जानकारी दें, पर इन हिदायतों के पालन पर सख्ती करने की जरूरत है।

सटीक रिकॉर्ड तक नहीं रू कीटनाशकों के जहर से होने वाली मौतों का देश में सटीक रिकॉर्ड न होना भी इन पर नियंत्रण रखने वाले रैगुलेटरी सिस्टम को कमजोर करता है। नैशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) के रिकॉर्ड में वही मामले होते हैं, जो मैडिको–लीगल केस के तौर पर सामने आते हैं। जमीनी हकीकत यह है कि कीटनाशक निर्माता कंपनियों के खिलाफ मैडिको–लीगल मामला दर्ज कराना किसानों के लिए बहुत मुश्किल व खर्चीला है। सटीक डाटा के अभाव में किसी की भी जवाबदेही तय नहीं हो पा रही। राज्य सरकारें भी घातक कैमिकल कीटनाशकों पर 60 दिन तक का अस्थायी प्रतिबंध लगा अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रही हैं, जिसके चलते समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल रहा। भारत में सुरक्षा संबंधी जानकारी अक्सर पर्चियों में भर दी जाती है, जिससे किसानों को कीटनाशकों के जोखिमों व सही मात्रा में इस्तेमाल बारे स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती। हालांकि सैद्धांतिक रूप से कंज्यूमर प्रोटैक्शन एक्ट किसानों पर भी लागू होता है, लेकिन भ्रमित करते लेबल और घटिया कीटनाशक निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं होती।

तीव्र मोड़ पर अनियंत्रित होकर गड्ढे में सूखे पेड़ से टकराई बाइक, सगे भाइयों की मौत

संवाददाता—गोण्डा। इटियाथोक—खरगूपुर मार्ग पर बेंदुली मोड़ के पास तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर गड्ढे में गिर गई। हादसे में बाइक सवार बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई जबकि छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची इटियाथोक कोतवाली पुलिस ने गड्ढे में गिरी बाइक राहगीरों की मदद से बाहर निकलवाकर मार्ग पर आवागमन शुरू करवाया। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक को इलाज के लिए गोंडा मेडिकल भेजा। जहां ले जाते समय रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई। हादसे में दो सगे भाइयों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। इटियाथोक कोतवाली क्षेत्र के खरगूपुर मार्ग पर बुधवार करीब साढ़े ग्यारह बजे बाइक पर सवार दो सगे भाई अजय यादव (35), दिलीप यादव (20) अपने घर परशुरामपुर अहिरनपुरवा थाना खरगूपुर जा रहे थे। दोनों जैसे ही बेंदुली मोड़ के पास पहुंचे बाइक बेकाबू होकर बगल के गड्ढे में गिरकर सूखे पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना दर्दनाक था कि बाइक चला रहे अजय यादव की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसका छोटा भाई दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल उसे इलाज के लिए गोंडा मेडिकल कॉलेज भिजवाया लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक इटियाथोक शेषमणि पाण्डेय ने बताया सड़क हादसे में दोनों भाई अजय यादव और दिलीप यादव की मौत हो गई है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अजय यादव पंजाब के भटिंडा शहर में फल मंडी पर काम करता था। करीब सात माह बाद वह घर के लिए मंगलवार को पंजाब से निकला। बुधवार की सुबह वह इटियाथोक पहुंचा उसका छोटा भाई दिलीप यादव बुलेट से उसे लेने के लिए इटियाथोक पहुंचा। दोनों भाई वहां से घर के लिए निकले बाइक अजय यादव चला रहा था। अजय यादव की शादी हो चुकी थी उसकी चार वर्ष की लड़की पल्लवी है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी कुसुम का रो—रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में दिलीप यादव की इलाज के लिए ले जाते समय मौत हो गई। दिलीप यादव स्नातक प्रथम वर्ष का राम तीर्थ मिश्र स्मारक महाविद्यालय इटियाथोक का छात्र था। बुधवार की सुबह वह अपने घर से स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा देने के लिए सिद्धि विनायक महाविद्यालय मल्लापुर गया। परीक्षा देकर वह अपने बड़े भाई अजय यादव को लेने के लिए इटियाथोक पहुंचा। बुधवार करीब सवा ग्यारह बजे दोनों भाई बाइक से घर के लिए निकले।

हंसते—खेलते परिवार पर दुखों का ऐसा पहाड़ टूटा कि पिता अपने दो जवान बेटों की मौत से बदहवास हो गए हैं। परिवार के मुखिया रामनारायण यादव के चार बेटे मुकेश यादव, अजय यादव, प्रदीप यादव और दिलीप यादव थे। तीन बेटों की शादी हो चुकी है। सबसे छोटा बेटा दिलीप यादव अविवाहित था। दो जवान बेटे अजय यादव और दिलीप यादव की सड़क हादसे में मौत की सूचना पर पिता रामनारायण यादव और पत्नी कमलेश कुमारी का रो—रोकर हाल बेहाल हो गया।

भैंस चोरी में तीन को छह-छह वर्ष का कारावास

संवाददाता—श्रावस्ती। 18 साल पहले हुई भैंस की चोरी में तीन लोगों को न्यायालय ने छह छह वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपियों पर छह छह हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। सिरसिया थाने के मनिहारपुरवा में वर्ष 2006 में भैंस की चोरी हुई थी। सिरसिया थाने में वर्ष 2006 में भैंस चोरी का मामला दर्ज किया गया था। सिरसिया थाने के मनिहारपुरवा में चोरों ने भैंस चोरी कर लिया था। इसमें रामसूरत पुत्र शोभाराम निवासी मनिहारन पुरवा थाना सिरसिया, मनीराम पुत्र गया प्रसाद निवासी सकटू पुरवा थाना कोतवाली भिनगा और बाबादीन पुत्र रामनारायण निवासी चकपिहानी थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती को आरोपी बनाया था।

साप्ताहिक बंदी के दिन खुल रहीं दुकानें

संवाददाता—गोण्डा। शहर में बाजारों में साप्ताहिक बंदी का आदेश बेअसर साबित हो रहा है। बुधवार को भी चौक बाजार बाजार सहित अन्य इलाकों में अधिकांश दुकानें खुली रहती है। जिला प्रशासन समय—समय पर शहर से लेकर पूरे जिले में अलग अलग दिन साप्ताहिक बंदी का आदेश जारी करता है। शहर के चौक इलाके में बुधवार और स्टेशन रोड इलाके में रविवार को बाजार बंदी का दिन तय है। इसके बावजूद चौक क्षेत्र में बुधवार को अधिकांश दुकानें खुली रहती हैं। शहर के ठठेरी बाजार, फैजाबाद रोड, गल्ला मंडी, चौक बाजार गोला बाजार, चट्टी बाजार, दयानंद बाजार रो, पुरानी सब्जी मंडी, ईदगाह मार्किट सहित उतरौला रोड, भरत मिलाप के अलावा कई कॉम्प्लेक्स आदि जगहों पर बुधवार को भी प्रतिदिन की तरह दुकानें खुली देखी जा सकती हैं। व्यापारी बंदी का पालन कर रहे है उनका कहना है कि बंदी हो तो समान रूप से सभी की दुकानें बंद रखनी चाहिए।

लखनऊ जा रहे कांग्रेस नेताओं को किया नजरबंद

संवाददाता—गोण्डा। कांग्रेस नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने जा रहे पार्टी के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्रा, पूर्व विधायक व वरिष्ठ नेता राम प्रताप सिंह, शहर अध्यक्ष रफी रैनी, जलील खान, शिव कुमार दूबे सहित दो दर्जन से ज्यादा कांग्रेसियों को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। मंगलवार देर शाम को ही कांग्रेसियों के आवास पर पुलिस का पहरा बिठा दिया गया। पार्टी के प्रदेश सचिव त्रिलोकी नाथ तिवारी भी लखनऊ पहुंच गए। उधर, इसके बाद भी अरुण प्रताप सिंह उर्फ डिंपल अपने बीस समर्थकों के साथ लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गए।

कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व के आह्वान पर बुधवार को लखनऊ में विधानसभा का घेराव करने का ऐलान किया था। पार्टी की ओर से मंहगाई, भ्रष्टाचार, महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध, बेरोजगारी आदि को लेकर धरना—प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहले से जिला पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने विधानसभा के घेराव कार्यक्रम में जाने की तैयारी कर ली थी। लेकिन जैसे ही इसकी भनक लगी पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम प्रताप सिंह को एक दिन पहले मंगलवार रात से ही पुलिस ने घर पर ही नजरबंद कर लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन पर उतारू है। विपक्षी विधायकों को सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है और बाहर प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है। उनके अलावा कार्यकारी जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्रा, शिवकुमार दुबे को भी पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर निगरानी करती रही। वहीं बुधवार को लखनऊ प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दो दर्जन से अधिक पदाधिकारियों के साथ निकल रहे शहर अध्यक्ष रफीक रैनी को उनके घर पहुंचकर पुलिस ने उन्हें निकलने से मना कर दिया। जिससे कांग्रेसी आक्रोशित रहा। इस दौरान कांग्रेसियों ने वहीं पर जमकर नारेबाजी की और मौके पर पहुंचे अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। शहर अध्यक्ष रफी रैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार कांग्रेसियों से डरी हुई है। वह तानाशाही पर उतारू है। इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शौर्य दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता में दिखी प्रतिभा

. संवाददाता—गोण्डा। शिक्षा क्षेत्र मनकापुर के कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आझाराम में बुधवार को वीर बाल दिवस के क्रम में चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने गुरु गोविन्द सिंह व उनके बेटे अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह, फतेह सिंह के चित्रों को बनाकर उनके शौर्य व बलिदान को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

प्रतियोगिता में पूनम, लक्ष्मी, संगीता, चांदनी, अंशिका, उन्नति, माधुरी, अनामिका, राजनंदनी, आंचल, दामिनी, मधु, मानसी, क्रांति, आकृति, दिव्यांशी, तरन्नुम, सूरज, आकाश, अर्चना, रुमा, रूबी, संजू, नन्दनी, हिमांशी, विशाल, अजीत, आयुष्मान, राज बाबू, शिवपूजन, रीतिका, रिया सहित लगभग चालीस बच्चों ने हिस्सा लिया। उच्च प्राथमिक स्तर में पूनम प्रथम, संजू द्वितीय व लक्ष्मी तृतीय स्थान पर रहे। इसमें प्राथमिक स्तर में आंचल प्रथम, अजीत द्वितीय व शिवपूजन तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के पूर्व शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया ने बच्चों को गुरु गोविन्द सिंह व बेटों के शौर्य व निडरता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानाध्यापक आलोक कुमार भारती, शताब्दी वर्मा, अमर ज्योति, चित्रावती, पूनम यादव, देवेन्द्र प्रताप, सुरेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

जंगल सफारी के दौरान सामने आ गया बाघ—बाघिन का जोड़ा, पर्यटकों के उड़े होश

संवाददाता—बहराइच। कतर्नियां सेंचुरी क्षेत्र में बंगाल टाइगर का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। दरअसल 24 घंटे पहले पर्यटकों के सामने बाघ व बाघिन का जोड़ा पहुंच गया। दोनों को एक साथ देखकर वाहन पर सवार पर्यटकों के होश उड़ गए, लेकिन इस यादगार लम्हे को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। जैव विविधताओं से भरपूर कतर्नियां सेंचुरी क्षेत्र में बंगाल टाइगर का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। इसकी पुष्टि वहां पहुंच रहे पर्यटक कर रहे हैं, जिन्हें जंगल सफारी के दौरान सामने दहाड़ते व विचरण करते हुए दिखे रहे हैं। 24 घंटे पहले पर्यटकों के सामने बाघ व बाघिन का जोड़ा पहुंच गया। दोनों को एक साथ देखकर वाहन पर सवार पर्यटकों के होश उड़ गए, लेकिन इस यादगार लम्हे को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। बंगाल टाइगर के स्वच्छंद विचरण करने को लेकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर कतर्नियाघाट छाया हुआ है। कतर्नियां सेंचुरी क्षेत्र में वन्यजीवों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। तेंदुआ, हाथी ही नहीं बल्कि बाघों की वंशबेल भी बढ़ रही है। जिसका सीधा असर पर्यटन पर भी पड़ रहा है। सेंचुरी घूमने आने वाले पर्यटकों को तेंदुआ, बाघ, हाथी, गैंडा, हिरण संग अन्य दुर्लभ प्रजाति के वन्यजीवों का दीदार हो रहा है। कतर्नियां के नेचर गाइड इम्तियाज अली बताते हैं कि अक्सर जब वह पर्यटकों को सैर कराने के लिए निकलते हैं, तो वन्यजीवों का सामना हो जाता है। कतर्नियां रेंज में जंगल सफारी के दौरान बाघ व बाघिन मुख्य रास्ते पर विचरण करते हुए दिखे। ऐसा दृश्य कभी—कभार ही दिखता है। इस पर पर्यटकों ने बाघ व बाघिन का वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया। इस वीडियो को वन विभाग ने भी अपने विभागीय पोर्टल पर अपलोड किया है। इसके चलते लोग कतर्नियां आने को लालायित हो रहे हैं। फ्रेंड्स क्लब अध्यक्ष बीडी लखमानी बताते हैं कि पिछले कई सालों से मानव— वन्यजीव संघर्ष संग जंगल से लगे गांवों में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का भी असर है, जिसके चलते जंगल के अंदर मानव की दखलंदाजी में तेजी से कमी आ रही है।

कमजोर वर्ग के बच्चों का होगा निशुल्क दाखिला

संवाददाता—बलरामपुर। निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार योजना के तहत निजी मान्यता प्राप्त प्रत्येक विद्यालयों में आरटीई के तहत चार से छह आयु वर्ग के बच्चों का आवेदन करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश बेसिक शिक्षाधिकारी ने परिषदीय स्कूलों के नोडल शिक्षकों को दिया है।

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार योजना के तहत अलभित समूह एवं दुर्बल वर्ग बच्चों को कक्षा एक एवं प्री प्राइमरी में प्रवेश के लिए लॉटरी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन बेसिक शिक्षा विभाग के वेबसाइट पर मांगे गए हैं। स्कूलों में दाखिला चार चरणों में होगा। बेसिक शिक्षा निदेशालय से ऑनलाइन आवेदन के लिए निर्धारित समय सारणी निर्गत की गई है। इनमें एक दिसंबर 2024 से 19 दिसंबर 2020 तक के ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। लॉटरी निकालने की तिथि 24 दिसंबर 2024 निर्धारित की गई है। स्कूलों में प्रवेश के लिए 27 दिसंबर 2024 की तिथि निर्धारित की गई है। दूसरा चरण एक जनवरी 2025 से 19 जनवरी 2025 तक आवेदन होगा। लॉटरी निकालने की तिथि 24 जनवरी 2025 एवं निजी स्कूलों में दाखिले के लिए 27 जनवरी 2025 तिथि निर्धारित की गई है। इसी क्रम में एक फरवरी 2025 से 19 फरवरी 2025 तक तीसरे चरण का आवेदन होगा। इन आवेदनों पर विचार एवं निर्णय 24 फरवरी 2025 को लिया जाएगा। इसके बाद चयनित छात्रों का मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में 27 फरवरी 2025 को दाखिला होगा। अंतिम चरण में आवेदन एक मार्च से 19 मार्च 2025 तक होगा। आवेदन पत्र का मूल्यांकन एवं चयन प्रक्रिया लॉटरी के माध्यम से 24 मार्च को होगी, जिसके बाद 27 मार्च को स्कूलों में दाखिला होगा। बेसिक शिक्षा विभाग के सामुदायिक सहभागिता निरंकार पांडेय ने बताया है कि आवेदन में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर प्रत्येक विकासखंड के ब्लॉक संसाधन केंद्र कार्यालय पर जाकर समाधान करा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के संदर्भ में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी के साथ—साथ खंड शिक्षाधिकारी विभाग संसाधन केंद्र एवं जिला हेल्प डेस्क नम्बर 9793276055 पर समस्या का समाधान किया जाएगा। प्रवेश के लिए विद्यालयों का चयन निवास स्थान के निकटतम विद्यालय में ही किया जाएगा।

शुभम शुक्ला बीएसए बलरामपुर ने कहा कि निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार योजना के तहत अलभित समूह एवं दुर्बल वर्ग बच्चों को कक्षा एक व प्री प्राइमरी में निरुशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन चार चरणों में होगा। नोडल शिक्षक अपने—अपने शिक्षा क्षेत्र में अधिक से अधिक अलभित समूह एवं दुर्बल वर्ग बच्चों को प्री प्राइमरी एवं कक्षा एक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सहयोग करें।

मानस केसरी आचार्य अवधकिशोर दास को किया गया नमन्

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या सिद्ध संतों की तपस्थली रही है और इन्हीं सिद्ध संतों में शुमार श्रीरामहर्षण आदि मैथिल सख्यपीठ, मीरापुर के संस्थापक महंत आचार्य अवधकिशोर दास मानस केसरी महाराज का नाम भी शामिल है। आप विलक्षण प्रतिभा के धनी थे और दर्जनों धार्मिक पुस्तकों की रचना भी की है। इनके व्यक्तित्व और विद्वता के कारण मध्य प्रदेश सरकार ने मानस केसरी सम्मान से सम्मानित किया था। श्री महाराज जी अवध मंदिर की स्थापना कर निरंतर भजन करते रहते थे और आश्रम में आने वाले सभी भक्तों को भगवान के जीवन चरित्र से परिचित कराते रहते थे।उनकी गणना विद्वान संतों में होती रही है। उन्होंने अपनी विद्वता का लोहा मनवाया। सभी संत—महंत उनका आदरपूर्वक सम्मान करते थे। श्री महाराज जी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर सभी भक्तों संतो महंतों ने श्री महाराज जी को भाव रूपी श्रद्धांजलि अर्पित की।

आश्रम के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत कमलेश्वर दास श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने सेवा भाव के लिए अवधपुरी में आश्रम की स्थापना की जहां निरंतर सेवाएं चलती रहती है।उन्होंने बताया कि श्री महाराज जी अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मानस केसरी सम्मान से भी सम्मानित किया गया था। आज श्री महाराज जी हमारे बीच नहीं हैं उनकी कमी हम सभी उनके अनुयायियों को जीवन पर्यंत अनुभूति होती रहेगी। इस अवसर पर दर्जनों संतों महंतों ने श्री महाराज जी को भाव रूपी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विद्यालय प्रबंध समिति की कार्यशाला में स्कूलों के उत्थान पर चर्चा

संवाददाता—श्रावस्ती। ब्लॉक संसाधन केंद्र जमुनहा के परिसर में जमुनहा की सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान तथा परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों स प्रबंध समिति के लोगों की कार्यशाला हुई। कार्यशाला में स्कूलों के उत्थान पर चर्चा की गई। कार्यशाला में बताया गया कि कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत छात्र—छात्राओं को निःशुल्क यूनीफॉर्म, स्वेटर, स्कूल बैग,जूता मोजा, स्टेशनरी का पैसा अभिभावकों के खाते में भेजा जाता है। खंड शिक्षा अधिकारी सतीश कुमार ने विद्यालय प्रबंध समिति व ग्राम प्रधानों को बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में 6 से 14 वर्ष के बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराना, नामांकित बच्चों का शिक्षकों की ओर से प्रेरणा पोर्टल पर पंजीकरण करने, बच्चों के माता—पिता के आधार कार्ड तथा बैंक खाता आधार से सीडेड व डीबीटी से सम्बंधित दस्तावेजों को पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा बिना यूनिफार्म के स्कूल आने पर उसके अभिभावकों से मिल कर सामान क्रय करने के लिए प्रेरित करें। मिशन शक्ति, मीना मंच तथा पावर एंजेल, जनजागरूकता अभियान, जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम तथा सेल्फ एस्टीम, रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय शामिल है।

तीन दुर्घटनाओं में सिपाही ने तोड़ा दम, सात अन्य घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के तीन अलग अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटना में पुलिस सिपाही की मौत हो गई। जबकि सात अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी व जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक सिपाही के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। जिसे उसके गृह जनपद सीतापुर ले जाया गया।

सिपाही अमित कुमार पुत्र द्वारिका प्रसाद यादव निवासी ताजपुर थाना रामपुर कला जनपद सीतापुर जो थाना सादुल्ला नगर बलरामपुर में आरक्षी के पद पर तैनात थे। जिनकी एक महीने की ट्रेनिंग सीतापुर में लगी थी। ट्रेनिंग के बाद मंगलवार रात बाइक से सीतापुर से सोनवा थाना आ रहे थे। सोनवा थाने में तैनाती के दौरान से परिवार यहीं रहता था। सोनवा आते समय सोनवा थाना क्षेत्र के रतनापुर में बाइक के सामने एक मवेशी आ गया। इससे बचने के लिए बाइक डिवाइडर से टकरा गयी। इससे सिपाही को काफी चोटें आई। जानकारी होने पर घायल सिपाही को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं दूसरी घटना बहराइच बलरामपुर नेशनल हाईवे 730 पर बुधवार भोर में हुई। बुधवार सुबह ग्राम टंडवा महंत सीताद्वार के पास गन्ना ट्राली तौल कर बैक हो रही थी। इसी बीच पीछे से आ रहा ट्रक टकरा गया और ट्राली सड़क पर पलट गई। इसी बीच बहराइच जा रही एक स्कार्पियो गन्ना लदी ट्राली में घुस गई। इससे स्कार्पियो सवार आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी होने पर इकौना थाना प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार दूबे पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया। इसके साथ ही गन्ना व ट्राली को हटवा कर रास्ता खुलवाया गया। सीताद्वार के पास हुई सड़क दुर्घटना में नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती ग्राम खरगपुर निवासी प्रांजल श्रीवास्तव पुत्र पंकज 18 वर्ष,पंकज श्रीवास्तव पुत्र फतेह बहादुर 40 वर्ष, रितेश शुक्ला पुत्र हजारी शुक्ला 18 वर्ष, कोतवाली देहात बहराइच नव्वागढ़ी निवासी अजीत 35 वर्ष पुत्र लाल बाबू श्रीवास्तव, मीना श्रीवास्तव पत्नी मुकेश श्रीवास्तव 35 वर्ष, कोतवाली बहराइच सिटी पानी टंकी निवासी लकी श्रीवास्तव पुत्र राजेश श्रीवास्तव को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के बाद घर भेज दिया गया। तीसरी घटना में पटना खरगौरा गांव निवासी अर्जुन 18 वर्ष पुत्र गंगा राम अपनी बाइक से भिनगा आ रहा था। तभी जिला अस्पताल के पास एक प्राइवेट बस ने टक्कर मार दी। जिससे अर्जुन सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने अर्जुन को एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए पहुंचाया जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां पर इलाज हो रहा है।

प्रयोगशाला के लिए दूसरे विद्यालय में भेजी जा रहीं छात्राएं

संवाददाता—बलरामपुर। जनपद का एक मात्र राजकीय बालिका इंटर कालेज उतरौला ऐसा बालिका विद्यालय है जहां की करीब 150 छात्राओं को विज्ञान विषय में प्रयोग सीखने के लिए दूसरे विद्यालय में जाना पड़ता है। इस विद्यालय में छात्रों के लिए विज्ञान विषय की प्रयोगशाला भवन का निर्माण लगभग दो दशक बीतने के बावजूद नहीं हो सका। जिले की सबसे पुरानी तहसील उतरौला मुख्यालय पर एक मात्र राजकीय बालिका इंटर कॉलेज यहां के पुराने तहसील भवन में संचालित है। तहसील भवन 1875 का निर्मित होने से इसमें नये भवन का निर्माण न होने से धीरे—धीरे भवन खंडहर हो गया। करीब बीस वर्ष पहले तहसील का स्थानांतरण आसाम रोड किनारे बने नवनिर्मित भवन में होने पर प्रशासन ने इस पुराने भवन में राजकीय बालिका इण्टर कालेज उतरौला का संचालन शुरू किया। इस समय इस विद्यालय में करीब 500 छात्राएं पढ़ती है। इसमें विज्ञान विषय की हाई स्कूल व इण्टर कक्षाओं की 150 छात्राएं पढ़ती है लेकिन विज्ञान विषय के प्रयोगशाला के लिए भवन नहीं है। विज्ञान प्रयोगशाला के लिए भवन न होने से शासन से प्रतिवर्ष आने वाले प्रयोगशाला उपकरण एक छोटे से कमरे में गोदाम बनाकर रख दिया जाता है। विज्ञान प्रयोगशाला न होने से छात्राओं को प्रयोगशाला के माध्यम से शिक्षक प्रशिक्षित नहीं कर पाते हैं। शिक्षा विभाग की ओर से बालिकाओं की समस्याओं को देखते हुए नगर के मोहम्मद यूसुफ उस्मानी इण्टर कालेज उतरौला के विज्ञान प्रयोगशाला में हर माह भेजा जाता है। वहां पर किसी तरह छात्राएं साइंस व जीव विज्ञान विषय की प्रयोगशाला से प्रशिक्षित हो पाती हैं।

यज्ञ से ही राजा दशरथ को प्रभु श्री राम प्राप्त हुए —जगतगुरु श्री धराचार्य

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। यज्ञ के प्रसाद से ही प्रभु राम का प्राकट्य हुआ जगदगुरु रामानुजाचार्यस्वामी श्रीधराचार्य महाराज अशर्फी भवन पीठ में आयोजित विविध धार्मिक कार्यक्रम में आज अरणीमंथन के द्वारा अग्नि प्रज्वलित करके देव अर्चन के पश्चात भगवान लक्ष्मी नारायण यज्ञशाला में पधारे प्रभु के सानिध्य में स्वामी महाराज ने हेमाद्री संकल्प लिया, शरीर शुद्धि के लिए यजमान और आचार्य को पंचगव्य का प्रसन्न कराया गया, पवित्र धारण किया गया, इसके पश्चात यज्ञ कुंड में ब्रह्मा विष्णु शिव का पूजन कर दिगपाल का पूजन कर अग्नि देव का षोडशोपचार से पूजन किया गया गौ माता के गोबर से राष्ट्र रक्षा विश्व शांति पर्यावरण के शुद्ध एवं मनोकामना सिद्धि के लिए आचार्य और ब्राह्मणों के द्वारा आहुति प्रदान की गई। आज विशेष रूप से सुदर्शन भगवान की आहुतियां एवं लक्ष्मी नारायण भगवान की आहुति प्रदान की गई। स्वामी श्रीधराचार्य महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव को कर्म करना चाहिए और पुरुषार्थ चतुष्टय अर्थात धर्म अर्थ काम मोक्ष की सिद्धि के लिए यज्ञ ही सर्वश्रेष्ठ कर्म है यज्ञ स्वयं नारायण का स्वरूप है यज्ञ के जितने भी अंग है आहुति यज्ञ कुंड समिधा यज्ञ पात्र ब्राह्मण यजमान सब नारायण स्वरूप माने गए हैं। यज्ञ के द्वारा ही अयोध्या के चक्रवर्ती सम्राट महाराज दशरथ ने प्रभु श्री राम को पुत्र के रूप में प्राप्त किया है, पूर्व काल में जिन राजाओं के भी संतान नहीं होती थी यज्ञ पुरुष के आराधना से ही उनको संतान की प्राप्ति होती है। श्रीमद् भागवत महापुराण में विराजित 108 ब्राह्मण का यजमानों ने पूजन किया श्री मद भागवत का सस्वर पाठ सभी आचार्यों द्वारा किया जा रहा है। श्री स्वामी जी महाराज ने श्रीमद् भागवत महापुराण का प्रवचन करते हुए भक्तों को बताया कि जीवन में कोई भी अपराध बन जाए तो प्रायश्चित ही सबसे श्रेष्ठ समाधान है अनजाने में महर्षि शमिक ऋषि का अपमान होने पर राजा परीक्षित ने प्रायश्चित स्वरूप अनशन व्रत लेकर के गंगा जी के तट पर संतों की शरण लिए भारत देश धर्म प्राण संतों की भूमि है संतों की शरण में जाने पर हर एक समस्या का समाधान मिल जाता है। चक्रवर्ती सम्राट महाराज परीक्षित संत की शरण में गए और सुखदेव ऋषि ने उनके जीवन की समस्या का समाधान किया मनुष्य जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य है भगवान की प्राप्ति है।देश के विभिन्न प्रांतो बागलकोट आदि से पधारे भक्त जन ज्ञान गंगा में गोते लगा रहे हैं। कथा विश्राम के बाद आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

स्कूली वाहनों के शुल्क निर्धारण को लेकर बनी रणनीति

संवाददाता—बलरामपुर। बेसिक शिक्षा कार्यालय के पुस्तकालय सभागार में बुधवार को मैनेजर प्रिंसिपल वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्यों के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक व एआरटीओ की एक बैठक संयुक्त रूप से संपन्न हुई। बैठक में बलरामपुर के निजी स्कूलों के वाहन से बच्चों को लाने और ले जाने हेतु विद्यालय की ओर से किए गए शुल्क निर्धारण पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जीरो से पांच किलोमीटर की दूरी के लिए वाहन शुल्क 11 सौ रूपये प्रति छात्र लिया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पांच से दस किलोमीटर के बीच छात्रों को लाने और ले जाने स्कूली वाहनों की फीस 22 सौ रूपये तथा दस से बीस किलोमीटर के बीच के वाहन शुल्क पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। बैठक में पायनियर पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज के प्रबंधक निर्देशक डा. एमपी तिवारी ने आवश्यक सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि वह कतई नहीं चाहते है कि अभिभावकों पर किसी प्रकार का अतिरिक्त बोझ पड़े। फिर भी तमाम विसंगतियों को देखते हुए शुल्क निर्धारण बहुत जरूरी है। बैठक में सेंट जार्ज कॉन्वेंट स्कूल, सेंट जेवियर्स स्कूल, शारदा पब्लिक स्कूल, स्कालर अकादमी इंटर कॉलेज, एचआरए इंटर कॉलेज उतरौला, फातिमा स्कूल बलरामपुर, सीएमएस, एमजे एक्टीविटी सहित कई स्कूलों के मैनेजर व प्रधानाचार्य बैठक में शामिल रहे। बैठक में जिला विद्यालय से शुल्क विनिमय अधिनियम पर शीघ्र ही सभी विद्यालयों के लिए गाईड लाइन जारी करने के लिए अनुरोध किया गया है। जिससे विद्यालय बिना रूकावट के शुल्क वृद्धि कर सके। जिसपर जिला विद्यालय निरीक्षक ने जल्द ही एक दूसरी बैठक करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डा. एमपी तिवारी, अशलम शेर खान, अंसार अहमद, गुरुदत्त पांडेय, रीता चौधरी व अक्षत पांडेय सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

श्री हनुमत कथा कुंज के पूर्वाचार्य महंत को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्रसिद्ध पीठ श्रीहनुमत कथा कुंज, स्वर्गद्वार के पूर्वाचार्य महंत रामविलास शरण महाराज को संतों ने नमन किया। मौका उनके पांचवी पुण्यतिथि महोत्सव का था। जो श्रद्धा के साथ मनाई गई। अयोध्याधाम के संतों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। गुरुवार को संत—महंत व धर्माचार्यों ने साकेतवासी महंत के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उनके चित्रपट पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर श्रीहनुमत कथा कुंज के वर्तमान महंत राकेश शरण ने कहा कि पूर्वाचार्य महंत रामविलास शरण महाराज ने सेवा को ही अपना धर्म माना। वह आजीवन सेवा प्रकल्पों के कार्यों से जुड़े रहे। उनके मार्गदर्शन में कई सेवा प्रकल्प के कार्य संचालित भी हुए। इनमें से कुछ आज भी चल रहे हैं। गुरुदेव आज हम लोगों के बीच में नहीं हैं। लेकिन उनकी यश एवं कीर्ति सदैव हम सबके साथ रहेगी। आश्रम दिन—प्रतिदिन उत्तरोत्तर समृद्धि की ओर अग्रसर है, जिसकी गणना रामनगरी के प्रमुखतम पीठों में होती है। यह पूर्वाचार्यों के पुण्य—प्रताप का ही प्रतिफल है। मठ में समस्त उत्सव, समैया, त्यौहार परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। अंत में वर्तमान महंत राकेश शरण महाराज ने आए हुए संत—महंतों का स्वागत—सम्मान किया। पुण्यतिथि पर बड़ी संख्या में संत—महंत और विशिष्टजनों ने प्रसाद पाया। पूर्वाचार्य महंत को पुष्पांजलि अर्पित करने वाले संत—महंतों में मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जगतगुरु परमहंसाचार्य, हनुमत सदन के महंत अवधकिशोर शरण, महंत सीताराम दास महात्यागी, महंत रामलोचन शरण, महंत सत्येंद्र दास वेदांती, महंत राजीवलोचन शरण, महंत अवनीश दास, महंत रामकिशोर दास, महंत प्रियाप्रीतम शरण शरण, महंत कामता शरण, महंत कमलादास रामायणी, नागा रामलखन दास, महंत रामलखन शरण, महंत अशोक दास, महंत रामशरण दास रामायणी, महंत उत्तम दास, महंत रामप्रिया शरण, महंत किशोरी शरण, महंत प्रिया शरण, महंत रामानुज शरण, महंत रामपत दास, महंत रामभद्र शरण, महंत रामरसिक शरण, महंत रामकुमार दास, महंत राममिलन दास, सुमित शरण, विद्याभूषण, अंबरीश शरण आदि रहे।

मण्डलीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में स्वर्ण और कास्य पदक के विजेता सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीर नगर)। पौली विकास क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय हरिवंशपुर में मंडलीय बेसिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को विद्यालय में शिक्षकों ने स्वागत कर सम्मानित किया। विद्यालय के बच्चे योगासन और सौ मीटर की दौड़ में सिद्धार्थनगर को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा बनाया। योगासन में प्रवीण कुमार, अरुण कुमार, हरिओम, प्रियांशू, अखिलेश, राज और रामवीर शामिल रहे। विद्यालय के होनहार छात्र हरिओम ने 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक व 200 मीटर की दौड़ में कास्य पदक जीत कर पौली ब्लाक का नाम रोशन किया। टीम इंचार्ज व विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनीराम मौर्य ने बच्चों को मिठाई खिला कर उत्साह बर्धन किया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि बच्चे अब प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारी में जुट गए है। पढ़ाई के साथ–साथ तैयारी भी कर रहे है। शिक्षक भागवत प्रसाद गौड़, बशिष्ठ कुमार, दीपक कुमार व राजपती ने भी बच्चों का उत्साह बर्धन किया।

मंडल क्रिकेट एसोसिएशन और रॉकमैन क्लब जीते

संवाददाता–गोरखपुर। सेंट एंड्रयूज क्रिकेट ग्राउंड पर चल रही रेड चिल्ली टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को दो मैच खेले गए। इन मैचों में मंडल क्रिकेट एसोसिएशन और रॉकमैन क्लब ने शानदार जीत दर्ज कर अंकतालिका में अपनी स्थिति मजबूत की। पहला मैच मंडल क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) और पूर्वांचल रेलवे के बीच खेला गया। इसमें एमसीए ने चार विकेट से जीत दर्ज की। एनईआर के शिवम दीक्षित व अंकित यादव ने 2–2 विकेट लिए। दूसरा मैच रॉकमैन क्लब व बीएमटी क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। इसमें रॉकमैन ने 39 रनों से जीत दर्ज की। रॉकमैन क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 166 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसमें अविनाश पैरी ने शानदार 71 रनों की पारी खेली। बीएमटी एकेडमी के सत्यम सिंह ने 3, शक्ति पटेल व आयुष तिवारी ने 2–2 विकेट प्राप्त किया। विकेट प्राप्त किया। एमसीए टीम ने 19.2 ओवरों में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। एमसीए के निखिल राव ने टीम के लिए 73 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। एनईआर के शिवम दीक्षित व अंकित यादव ने 2–2 विकेट लिए। दूसरा मैच रॉकमैन क्लब व बीएमटी क्रिकेट एकेडमी के बीच खेला गया। इसमें रॉकमैन ने 39 रनों से जीत दर्ज की। रॉकमैन क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 166 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसमें अविनाश पैरी ने शानदार 71 रनों की पारी खेली। बीएमटी एकेडमी के सत्यम सिंह ने 3, शक्ति पटेल व आयुष तिवारी ने 2–2 विकेट प्राप्त किया।

कौन थे प्रभात पांडेय? यूपी कांग्रेस के प्रदर्शन में पुलिस से धक्कामुक्की के बाद गई जान

संवाददाता–गोरखपुर। यूपी कांग्रेस के लखनऊ में आयोजित प्रदर्शन के दौरान गोरखपुर के रहने वाले युवा कांग्रेसी 29 वर्षीय प्रभात पांडेय की मौत हो गई है। कांग्रेस के खिंचनसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रभात पहुंचे थे। कांग्रेस का आरोप है कि पुलिस की धक्कामुक्की और बल प्रयोग के कारण प्रभात की मौत हुई है। प्रभात के निधन की खबर मिलते ही घर पर कोहराम मच गया। स्थानीय कांग्रेस नेता उनके घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। पड़ोसियों और परिजनों का कहना है कि प्रभात को पहले से कोई बीमारी नहीं थी। गोरखपुर के देईपार निवासी प्रभात पांडेय दो बहनों में दीपक पांडेय के इकलौते बेटे थे। प्रभात की एक बहन की शादी हो चुकी है। एक बहन श्रेया की शादी नहीं हुई है। प्रभात युवक कांग्रेस से करीब डाई साल पहले जुड़े थे। युवा कार्यकर्ता प्रभात पार्टी के कार्यों में सक्रिय भागीदारी करते थे। पढ़ाई के बाद प्रभात चार माह से लखनऊ में अपने चाचा मनीष पाण्डेय के पास रहकर कम्प्यूटर कोर्स कर रहे थे। पार्टी के कार्यक्रम में भी अपना योगदान दे रहे है। बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के विधानसभा घेराव को लेकर कार्यालय पहुंचे थे। वहां से बेसुध हालत में सिविल अस्पताल लाया गया। अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मौत की सूचना पर पिता बेसुध हो गए हैं। मां बहन समेत अन्य परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। मौत सूचना पाकर कांग्रेसी नेता प्रधान चन्द्रभूषण पाण्डेय समेत अन्य पार्टी के कार्यकर्ता प्रभात के घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं। प्रभात के पिता एलआईसी में काम करते है। प्रभात की अभी शादी नही हुई थी।

गूगल की मदद से शहर में जाम की समस्या दूर करेगी पुलिस

संवाददाता–गोरखपुर। शहर के भीतर ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए यातायात पुलिस गूगल मैप का सहारा लेगी। यातायात पुलिस के गामा कंट्रोल में 24 घंटे मौजूद रहकर पुलिसकर्मी टीवी मॉनीटर पर जाम की निगरानी करेंगे। शहर के जिस चौराहे, सड़क या बाजार में हैवी ट्रैफिक या रोड जाम की जानकारी मिलेगी। वहां तत्काल पुलिसकर्मियों को भेजकर कार्रवाई की जाएगी। एसपी ट्रैफिक ने बताया कि मंगलवार से व्यवस्था लागू कर दी गई है। रोजाना शहर के विभिन्न हिस्सों में समस्या रह रही है। इसमें मोहद्दीपुर रोड, टीपी नगर सिक्सलेन रोड, नौसड़, गोरखनाथ, धर्मशाला बाजार और असुरन सहित अन्य प्रमुख स्थान शामिल है। यातायात पुलिस की ओर से इन स्थानों पर कर्मी तैनात हैं, लेकिन दबाव बढ़ने पर दिक्कत होती है। मौके पर मौजूद कांस्टेबल, दीवान और दरोगा की सूचना पर पुलिस फोर्स पहुंचती है। इससे काफी समय लगता है। इस समस्या से राहत दिलाने के लिए पुलिस लाइन के सभीप बने यातायात पुलिस के गामा कंट्रोल रूम में इंटरनेट के जरिए गूगल मैप से हैवी ट्रैफिक की जानकारी ली जाएगी। कंट्रोल रूम में तैनात पुलिस मैप की लाइव स्ट्रीमिंग करके जानकारी देंगे। इसके लिए तीन शिफ्टों में ड्यूटी लगाई जाएगी। यातायात दबाव की स्थिति बनने पर इंस्पेक्टर, जिप्सी मोबाइल और क्यूआरटी को मौके पर भेज दिया जाएगा। जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए यातायात पुलिस, थाना और चौकियों पर तैनात पुलिस टीम रोजाना दो घंटे का अभियान चलाएगी। इसके तहत सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाया जाएगा। चालान काटकर जुर्माना वसूलने के साथ ही उनको टो करके पुलिस लाइन के यार्ड में पहुंचा दिया जाएगा। सड़क किनारे ठेला, दुकान सहित अन्य को हटाया जाएगा। यह अभियान दिन में कभी भी दो घंटे तक अचानक चलेगा। मंगलवार को चेकिंग में पुलिस ने 768 वाहनों का चालान काटकर 42500 रुपये का जुर्माना वसूल किया। गूगल मैप की लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए शहर में यातायात दबाव की जानकारी ली जाएगी। कंट्रोल रूम में तैनात पुलिसकर्मी इसकी सूचना देकर मौके पर अतिरिक्त बल भेज सकेंगे।

विद्यालय और कुटी से हजारों की चोरी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली–हरिहरपुर मार्ग पर राजघाट पुल के निकट मंगलवार की देर रात्रि में एक विद्यालय के कार्यालय का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों रुपये के सामान और 45 सौ नगदी उड़ा दिया। घटना को अंजाम देते समय चोरों की एक शाल विद्यालय पर छूट गई है। इसी तरह बगल में स्थित कुटी से दो घण्टा चोरी चला गया है। सूचना पर पीआरवी टीम पहुंची। मामले की जानकारी की। इस मामले में विद्यालय संरक्षक ने थाने में तहरीर दे दी है। जैसे ही उंडक ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया वैसे ही चोरों के मनोबल बढ़ने लगे हैं। मंगलवार देर शाम हरिहरपुर कठिनईया नदी किनारे स्थित जय भारत लघु माध्यमिक विद्यालय के कार्यालय का चोरों ने ताला तोड़ दिया और अंदर घुस गए। विद्यालय संरक्षक के अनुसार दो अलमारी का लाकर तोड़ दिया। उसमें रखा सामान फर्श पर बिखेर दिया। इस दौरान दीपक पीतल स्टैण्ड, दो लाउडस्पीकर, एक साउंड, सौर ऊर्जा बैट्री, टीशर्ट, स्वेटर सहित अन्य सामान के अलावा 45 सौ नगदी भी चोर उठा ले गए। चोरों ने काउंटर का दराज भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान चोरों की एक शाल मौके छूटी हुई मिली है।

चला बुलडोजर, पोखरे पर हुए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई, मची रही अफरातफरी

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर थानाक्षेत्र स्थित खरैया पोखरा पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध आज नगर निगम का बुलडोजर चला। इस दौरान हंगामे की स्थिति बनी रही लेकिन प्रशासन के सख्त रवैये से स्थिति नियंत्रण में रही।

बुधवार को गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ खरैया पोखरा पर हुए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई की। दिन में 12 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में बुलडोजर की मदद से 1.55 एकड़ क्षेत्र में बने अवैध कब्जे हटाए गए। तीन महीने पहले नगर निगम और तहसील प्रशासन की संयुक्त पैमाइश में 15 अवैध कब्जों की पहचान हुई थी, जिनमें से 6 पर पक्के निर्माण किए गए थे।

अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने लाउडस्पीकर से अतिक्रमण हटाने की पूर्व सूचना दी थी। नगर निगम की इस कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध किया लेकिन पुलिस बल ने सख्ती दिखाते हुए प्रदर्शनकारियों को हटाया और अतिक्रमण हटाने का काम जारी रखा।पैमाइश के दौरान स्पष्ट हुआ था कि अभिलेखों में तालाब का मूल रकबा 3.41 एकड़ है, जबकि मौके पर करीब डेढ़ एकड़ भूमि पर कब्जा है। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद खरैया पोखरा के सुंदरीकरण का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर के विकास कार्यों में बाधा बनने वाले अवैध कब्जों पर आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में माउथ कैंसर का सफल ऑपरेशन, अब मिलेगी बड़ी राहत

संवाददाता–गोरखपुर। माउथ कैंसर की जटिल सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले कैंसर सर्जन डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि खलीलाबाद के रहने वाले रामलिन का माउथ कैंसर काफी गंभीर स्थिति में पहुंच गया था। उनके जबड़े में ट्यूमर भी बन गया था। कैंसर का असर गर्दन तक पहुंचने लगा था। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) ने कॉलेज संचालन के शुरुआती दौर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की आंतरिक टीम ने किसी वाह्य विशेषज्ञ के बगैर, माउथ कैंसर से पीड़ित एक मरीज की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक करके उसे नवजीवन दिया है।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज की इस उपलब्धि का सबसे बड़ा लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही बिहार और नेपाल तक के मरीजों को मिलेगा, अब उन्हें कैंसर की जटिल सर्जरी के लिए बड़े महानगरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। माउथ कैंसर की जटिल सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले कैंसर सर्जन डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि खलीलाबाद के रहने वाले रामलिन का माउथ कैंसर काफी गंभीर स्थिति में पहुंच गया था। उनके जबड़े में ट्यूमर भी बन गया था। कैंसर का असर गर्दन तक पहुंचने लगा था।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा के निर्देश पर रामलिन को गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। जरूरी प्रारंभिक जांचों के बाद बुधवार को मरीज के जबड़े की हेमीमैंडीब्युलेक्टोमी की गई। साथ ही रेडिकल नेक डिसेक्शन, पेक्टोरेलिस मेजर मायोक्यूटनेस फ्लैप, ट्रेकेस्टोमी प्रक्रिया के साथ करीब तीन घंटे तक चली सर्जरी में मरीज का विकार दूर कर दिया गया। डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि मरीज माउथ कैंसर के एडवांस स्टेज में था। सर्जरी के बाद मरीज को एक तरह से नया जीवन मिल गया है। सर्जरी करने वाली टीम में एनेस्थीसिया की विशेषज्ञ डॉ. नेहा पंवार और ईएनटी सर्जन डॉ. आकांक्षा रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जबकि ऑपरेशन थिएटर के इंचार्ज दीपक पाठक, शुभ पांडेय, माधुरी साहनी और अरविंद चौरसिया ने पूरी मुस्तैदी से डॉक्टरों की टीम को मदद पहुंचाई।

राम मंदिर के दूसरे तल पर गर्भगृह बनकर तैयार, प्रथम तल पर की जानी है राम दरबार की स्थापना

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। 161 फीट ऊंचे तीन मंजिला राम मंदिर के प्रथम तल का 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है। दूसरे तल पर गर्भगृह का निर्माण पूरा हो गया है। दूसरे तल पर भी एक मंदिर स्थापित करने का निर्णय भवन निर्माण समिति की ओर से किया गया है। राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना की जानी है। राम दरबार का निर्माण जयपुर में चल रहा है। मूर्तिकार सत्य नारायण पांडेय राम दरबार की मूर्तियों को आकार दे रहे हैं। राम दरबार को आकार देने का काम लगभग 60 फीसदी पूरा हो चुका है। राम दरबार में सीताराम की मूर्ति एक साथ होगी। जबकि लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न व हनुमान जी की अलग–अलग मूर्तियां होंगी। मूर्ति के निर्माण का काम जनवरी तक पूरा हो जाएगा। जनवरी में ही मूर्ति बनकर अयोध्या पहुंच जाएगी।

राम मंदिर के प्रथम तल पर काम लगभग पूरा हो चुका है। कुछ स्तंभों में आइकोनोग्राफी से मूर्ति उकेरी जा रही है। यह काम भी अंतिम चरण में पहुंच चुका है जबकि दूसरे तल की छत पड़ चुकी है। अब यहां फिनिशिंग का काम चल रहा है। दूसरे तल की फर्श का काम भी तेजी से चल रहा है। प्रथम तल से दूसरे तल पर जाने के लिए सीढ़ियां भी बन चुकी हैं। दूसरे तल पर भी एक मंदिर स्थापित करने का निर्णय पिछले दिनों हुई ट्रस्ट की बैठक में लिया गया है। दूसरे तल पर सभी भाषाओं में लिखी रामायण भी संरक्षित की जाएगी।

राम जन्मभूमि परिसर के तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में गोस्वामी तुलसी दास के मंदिर का भी निर्माण शुरू हो गया है। गोस्वामी तुलसी दास की मूर्ति जयपुर में बन रही है। मूर्ति जहां स्थापित की जानी है, उसका फाउंडेशन भी तैयार हो चुका है। अब यहां पैडेस्टल बनाने का काम हो रहा है। यह मंदिर 1500 वर्ग फीट में बनाया जाएगा। रामचरित मानस की रचना करते हुए मुद्रा में तुलसी दास की मूर्ति निर्मित हो रही है।

पार्टी में खुला कोच फैक्ट्री में फर्जी नियुक्ति का राज

संवाददाता–गोरखपुर। मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली में फर्जी तरीके से नियुक्ति का राज दोस्तों के साथ पार्टी में खुला था। रेलकर्मियों के बेटे राहुल और सौरभ ने पार्टी में बड़े ही शान से अपने दोस्तों को बताया कि उन्होंने बिना फार्म भरे ही नौकरी हासिल कर ली। यह जानकारी होने पर उन्हीं में से किसी ने गुमनाम शिकायत कर दी। आरआरबी के तत्कालीन चेयरमैन ने जांच कराई तो मामला सही मिला। इसके बाद दोनों को बर्खास्त किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, फर्जी तरीके से नौकरी पाने के बाद राहुल और सौरभ ने अपने दोस्तों के साथ पार्टी आयोजित की थी। उसमें आए कुछ दोस्तों ने अपनी बेरोजगारी की चर्चा करते हुए कहा कि काफी परिश्रम के बाद भी उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिल रही है। दर्जनों परीक्षाएं दीं, कुछ में पास भी हुए लेकिन अंतिम परिणाम में सफल नहीं हो पाए।

यह सुनकर राहुल और सौरभ ने बड़े ही शान से कहा, मुझे देखो... बिना परीक्षा दिए ही रेलवे की नौकरी मिल गई। कुछ देर बाद पार्टी तो खत्म हो गई लेकिन जोश में दोनों के मुंह से निकली बात, एक गुमनाम शिकायती पत्र के रूप में आरआरबी गोरखपुर पहुंच गई, जिसके बाद कार्रवाई हुई। इसकी भनक जब दोनों को हुई तो कोच फैक्ट्री से बिना बताए गायब हो गए। मामला खुलने पर दोनों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दी गईं। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए गोरखपुर आरआरबी के चेयरमैन को निलंबित करते हुए स्थानीय के साथ ही सेंट्रल विजिलेंस की भी जांच शुरू करा दी गई।

मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली के लिए 26 अप्रैल 2024 को पैनल जारी किया गया था। ऊपर से सात लोगों का पैनल आया था, लेकिन स्थानीय स्तर से दो नाम बढ़ा दिए गए थे। ये नाम भर्ती बोर्ड में तैनात रहे दो कर्मचारियों के पुत्रों के थे। उन्होंने न तो फार्म भरा था और न ही परीक्षा ही दी थी। फर्जी डोजियर तैयार कर उनके नाम शामिल कर लिए गए थे। ट्रेनिंग भी करा दी गई। इस मामले में चेयरमैन नृपेंद्रीन अंसारी को पहले ही निलंबित किया जा चुका है। अब कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर उनपर भी कार्रवाई की जाएगी।

राहुल और सौरभ आरआरबी में तैनात रहे दो कर्मचारियों के पुत्र हैं। इनमें से एक सेवानिवृत्त हो चुके हैं। जानकारों के अनुसार, दोनों कर्मचारियों की इसमें मिलीभगत थी लेकिन पैनल पर चेयरमैन के हस्ताक्षर होने से उनपर कार्रवाई हुई है। कर्मचारियों पर अभी कोई सीधी कार्रवाई नहीं की गई है।

सड़क निर्माण न होने से ग्रामीणों ने विरोध में बोया गेहूं

संवाददाता–संतकबीरनगर। सेमरियवां ब्लाक के जातेडीहा दुबौलिया ग्रामीणों ने ध्वस्त हो चुकी सड़क को ट्रैक्टर से जोत कर गेहूं बो दिया। वर्षों से ध्वस्त पड़ी सड़क का निर्माण न होने से ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। सड़क निर्माण के लिए अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से मांग कर चुके हैं। इस के बाद भी सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। दुधारा कब्रिस्तान से भरवलिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण वर्ष 2006 में निर्माण किया गया है। पिछले कई साल से सड़क की हालत दयनीय हो गई है। सड़क पर डाली गई गिट्टी उखड़ कर खत्म हो गई है। इस संपर्क मार्ग से आधा दर्जन गांव के लोगों का आवागमन रहता है। इसी मार्ग से जिला व ब्लाक मुख्यालय पहुंचते हैं। बरसात के दिन में बदहाल सड़क पर गहरे गड्ढे व कीचड़ के चलते सड़क पर पैदल चलना दूभर रहता है। सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों ने दर्जनों बार संबंधित विभाग के अधिकारियों व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को लिखि पत्र दे चुके हैं। सड़क निर्माण न होने से अक्रोशित ग्रामीणों ने बदहाल सड़क को ट्रैक्टर से जोताई कर उसमे गेहूं के बीज का बोआई कर शासन प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी जताई। गांव के सईद अहमद, अब्दुल खलील, मुजीबुर्रहमान, नजीर अहमद तथा अशफाक अहमद ने बताया कि लगभग दो दशक का समय बीत गया। सड़क की दशा बदहाल है।

तीन किलोमीटर लम्बी सड़क पिछले कई वर्षों से खस्ताहाल है। सबसे अधिक समस्या बरसात के समय में रहती है। बरसात के समय करीब एक किलोमीटर सड़क पर पानी भरा हुआ था। उस समय ग्रामीणों ने धान की रोपाई कर अक्रोश जताया था।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती
जिला–बस्ती
वाद सं0–786/2020
रामलाल
बनाम
बंगाली आदि
1/1. श्रीमती इन्दुमति उम्र लगभग 42 साल विधवा विजय कुमार राव 1/2 तन्नू उम्र लगभग 16 साल 1/3 तरूण उम्र लगभग 14 साल 1/4 तनुज उम्र लगभग 12 साल पुत्री एवं पुत्रगण विजय कुमार राव नावालिगान संरक्षिका श्रीमती इन्दुमति विधवा विजय कुमार राव साकिनान मौजा बस्ती खास (बनरही नरहरिया) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 06–02–2025
हरगाह मुददई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 06 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–109/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती
जिला–बस्ती
अनिल कुमार आदि
बनाम
श्रीमती मंजू आदि
1. श्रीमती मंजू पत्नी रोशन 2. रोशन 3. राजेश 4. परमेश्वर 5. रमेश पुत्रगण गंगई 6. सुनील पुत्र भिखारी 7. विक्रम 8. सुखारी पुत्रगण झकोरे निवासीगण ग्राम जोगिया तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 11–02–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–178/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती
जिला–बस्ती
रामशंकर आदि
बनाम
वीरेन्द्र कुमार आदि
1. वीरेन्द्र कुमार उम्र लगभग 35 साल पुत्र बाबूराम 2. धर्मावती उम्र लगभग 32 साल 3. प्रतिभा उम्र लगभग 25 साल 4. सोनी उम्र लगभग 22 साल पुत्रीगण स्व0 बाबूराम 5. गुजराती देवी उम्र लगभग 65 साल पत्नी स्व0 बाबूराम 6. बुधिराम उम्र लगभग 62 साल पुत्र स्व0 राम कुमार निवासीगण मौजा कोठवा भरतपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 20–01–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–395/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
श्रीमती कंचन
बनाम
श्रीमती सुमन
1. श्रीमती सुमन उम्र 33 साल तलाक शुदा पत्नी संतोष पुत्र श्रीराम मौजूदा सगाईशुदा पत्नी संतोष कुमार पुत्र रामनयन साकिन मौजा महराजगंज तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती पोस्ट महराजगंज पिनकोड–272131
तारीख पेशी 07–02–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com